Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-20, अंक-05 01-15 मार्च, 2025 (पाक्षिक) ₹20

'काशी तमिल संगमम में अनेक विविधताओं के बाद भी भारत की एकता प्रस्फुटित होती है'

शपथ ग्रहण समारोह, दिल्ली

'भाजपा सरकार दिल्ली के लिए सुशासन सुनिश्चित करेगी'

भाजपा मुख्यालय (नई दिल्ली) में 11 फरवरी, 2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

श्री गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर ट्रस्ट (नई दिल्ली) में 12 फरवरी, 2025 को 'गुरु रविदास जयंती' के अवसर पर पूजा-अर्चना करते भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

नई दिल्ली में 18 फरवरी, 2025 को कतर राज्य के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी से भेंट करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा

प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) में 22 फरवरी, 2025 को महाकुंभ के दौरान त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

नई दिल्ली में 20 फरवरी, 2025 को आयोजित एनडीए बैठक में भाग लेते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह एवं अन्य वरिष्ठ एनडीए नेतागण

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

06 रेखा गुप्ता ने ली दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में दिल्ली भाजपा विधायक दल की नेता श्रीमती रेखा गुप्ता ने 20 फरवरी, 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित एक भव्य शपथ...

13 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस एवं अमेरिका यात्रा से रणनीतिक संबंध और मजबूत हुए

फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री...

21 इस मिलन में अनेक विविधताओं के बाद भी भारत की एकता प्रस्फुटित होती है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा...

29 द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी की स्थापना पर हुआ समझौता

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर कतर राज्य के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने 17-18 फरवरी 2025...

30 परीक्षा पे चर्चा 2025

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 फरवरी को नई दिल्ली की सुंदर नर्सरी में परीक्षा पे चर्चा के 8वें आयोजन के दौरान छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने देशभर के...

लेख

एकता का महाकुंभ युग परिवर्तन की आहट / **नरेन्द्र मोदी** 18
'जन मन' की समझ रखने वाले महान राजनेता थे अटल जी / **हरीश द्विवेदी** 22

मन की बात

'बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 उपग्रह प्रक्षेपित किए गए हैं' 32

अन्य

रेखा गुप्ता भाजपा विधायक दल की नेता चुनी गईं 10
गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत 11
छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत 12
भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कतर के अमीर से भेंट की 12
प्रधानमंत्री ने 9.8 करोड़ किसानों को 22,000 करोड़ रुपये से अधिक की किस्त जारी की 15
प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) को 2025-26 तक मिली मंजूरी 17
कमल पुष्प 20
केंद्रीय वित्त मंत्री का बजट 2025-26 पर लोकसभा में हुई परिचर्चा का जवाब 24
केंद्रीय वित्त मंत्री का बजट 2025-26 पर राज्यसभा में हुई परिचर्चा का जवाब 27
प्रधानमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की 34

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए विष्णु मित्तल द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ.प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। संपादक- डॉ. शिव शक्ति नाथ बक्सी

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

पीएम धन-धान्य योजना से न केवल कृषि में पिछड़े क्षेत्रों में फसलों के उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि हमारे अन्नदाता भी और सशक्त होंगे।

(24 फरवरी, 2025)

जगत प्रकाश नड्डा

चाहे पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण...आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देशभर में सांस्कृतिक एकता बनाये रखने के लिए अनेक प्रयास किये हैं।

(21 फरवरी, 2025)

अमित शाह

मोदी सरकार द्वारा किसान कल्याण की दिशा में शुरू की गई #PMKisan करोड़ों छोटे व सीमांत किसानों के लिए वरदान साबित हो रही है। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत बीते 6 वर्षों में 3.5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की सम्मान राशि सीधे किसानों के खातों में पहुंची है, जिससे उनके आर्थिक सशक्तीकरण के साथ-साथ कृषि में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिल रहा है।

(24 फरवरी, 2025)

राजनाथ सिंह

आज आप अपने भारत में रहकर कोई भी सपने देख सकते हैं और उन्हें अपने संकल्प और साधना से पूरा भी कर सकते हैं।

(24 फरवरी, 2025)

बी.एल. संतोष

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री सी.आर. पाटिल के नेतृत्व में भाजपा गुजरात की टीम ने स्थानीय निकाय चुनावों में रिकॉर्ड जीत दर्ज की।

(18 फरवरी, 2025)

सुधा यादव

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एक अनूठी पहल करने जा रहे हैं। वह अपना सोशल मीडिया अकाउंट एक दिन के लिए देश की प्रेरणादायी महिलाओं को सौंपेंगे, ताकि वे अपने अनुभवों, संघर्षों एवं उपलब्धियों की कहानियों को देशवासियों के साथ साझा कर सकें। नारी शक्ति को सम्मानित करने और उनके योगदान को राष्ट्रीय मंच पर लाने का यह एक ऐतिहासिक अवसर है। अगर आप भी इस अनूठे प्रयोग का हिस्सा बनना चाहती हैं, तो #NamoApp पर बनाए गए विशेष मंच के माध्यम से अपनी कहानी साझा करें और अपनी प्रेरणा को पूरी दुनिया तक पहुंचाएं। (23 फरवरी, 2025)

संपादकीय

'विकसित दिल्ली' के सपने होंगे पूरे

दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में श्रीमती रेखा गुप्ता के साथ छह मंत्रियों के शपथ लेते ही 'आप-दा' कुशासन से मुक्त देश की राजधानी दिल्ली अब चैन की सांस ले रही है। आप-दा कुशासन को भ्रष्टाचार, जनता के धन की लूट, पंगु प्रशासन व्यवस्था एवं वादाखिलाफी के लिए याद रखा जाएगा। इससे दिल्ली को एक दशक से भी अधिक समय तक आपदा सहनी पड़ी। दिल्ली में नई मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में भाजपा सरकार एक अत्यधिक ऊर्जावान एवं सक्षम टीम से युक्त है। यह टीम दिल्ली की आप-दा सरकार द्वारा बनाए आपदा के दलदल से निकालकार कमल खिलाने में सक्षम है। जहां विभिन्न प्रदेशों में भाजपा सरकारें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करिश्माई एवं दूरदर्शी नेतृत्व में पूरी निष्ठा के साथ जनसेवा में प्रतिबद्ध है, वहीं इसमें कोई संदेह नहीं कि जनता को गुणवत्तापूर्ण सेवा, भ्रष्टाचारमुक्त शासन एवं विश्व-स्तरीय सुविधाएं देने में अब दिल्ली सरकार भी अग्रणी रहेगी। आज जब दिल्ली की जनता ने भारी समर्थन से भाजपा सरकार चुनकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिल्ली के विजन को अपना आशीर्वाद दिया है, जन-जन के मन में यह पूर्ण विश्वास है कि आने वाले दिनों में 'विकसित दिल्ली' का सपना साकार होगा। अब जबकि दिल्ली सरकार अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की यात्रा प्रारंभ कर चुकी है, जनता 'आप-दा' कुशासन के आपदाकाल से मुक्ति का उत्सव मना रही है।

आज जब दिल्ली की जनता ने भारी समर्थन से भाजपा सरकार चुनकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिल्ली के विजन को अपना आशीर्वाद दिया है, जन-जन के मन में यह पूर्ण विश्वास है कि आने वाले दिनों में 'विकसित दिल्ली' का सपना साकार होगा। अब जबकि दिल्ली सरकार अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की यात्रा प्रारंभ कर चुकी है, जनता 'आप-दा' कुशासन के आपदाकाल से मुक्ति का उत्सव मना रही है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 10 फरवरी से 13 फरवरी की फ्रांस एवं अमेरिका यात्रा से भारत के इन देशों से संबंध एवं परस्पर विश्वास और भी अधिक सुदृढ़ हुए हैं। फ्रांस में कई विषयों के साथ एआई (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस) को ओपन सोर्स सिस्टम विकसित कर, विश्वास एवं पारदर्शिता को बढ़ावा देने के केंद्र में रखा गया। फ्रांस में ए.आई. एक्शन सम्मेलन, जिसकी अध्यक्षता संयुक्त रूप में राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रों एवं प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा की गई, ने स्वास्थ्य, शिक्षा एवं कृषि क्षेत्र में ए.आई. के माध्यम से व्यापक परिवर्तन की संभावनाओं पर चर्चा की। अमेरिका में हाल ही में पदभार ग्रहण किए राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प के साथ रक्षा, प्रोद्योगिकी, व्यापार एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा में सामरिक भागीदारी पर चर्चा हुई। जहां सुरक्षा संबंध, आतंकरोधी, व्यापार एवं आर्थिक विकास, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार जैसे विविध विषयों पर चर्चा हुई, वहीं श्री ट्रम्प एवं श्री मोदी ने 21वीं सदी में सैन्यबल की भागीदारी एवं प्रौद्योगिकी एवं वाणिज्य को बढ़ाने के लिए एक नई पहल 'भारत-अमेरिका कॉम्पेक्ट' का शुभारंभ किया। यह परस्पर सहयोग के अनेक आयामों में व्यापक परिवर्तन के लिए एक स्तंभ का कार्य करेगा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा की भव्य सफलता आतंकवादरोधी प्रयासों में एक महत्वपूर्ण विजय से परिलक्षित होती है। ध्यातव्य है कि अमेरिका ने 26/11 मुंबई आतंकी हमले के दोषी तहव्वुर राणा को भारत प्रत्यर्पण करने के लिए सहमति दे दी है। साथ ही, दोनों नेताओं ने अपने संयुक्त वक्तव्य में पाकिस्तान को 26/11 मुंबई एवं पठानकोट आतंकी हमले के दोषियों पर त्वरित कार्रवाई करने तथा अपनी भूमि को सीमा-पार आतंकवाद के लिए न देने के लिए सुनिश्चित करने को कहा है। बांग्लादेश के विषय पर भारतीय नेतृत्व पर अपनी अभूतपूर्व आस्था व्यक्त कर राष्ट्रपति श्री ट्रम्प ने इस विषय को प्रधानमंत्री श्री मोदी पर छोड़ने की बात करते हुए उन्हें 'एक महान नेता' एवं 'स्पेशल मेन' उद्धृत किया। श्री ट्रम्प द्वारा इंडिया-मिडिल ईस्ट यूरोप कॉरिडोर (IMECC) को समर्थन तथा ऑटोनोमस सिस्टम इंडस्ट्री अलायंस (ASIA) की नई पहल से भारत-अमेरिका के मध्य परस्पर सहयोग एवं विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा। आज जब देश 'विकसित भारत' के स्वप्न को साकार करने के लिए आगे बढ़ चुका है, मित्र देशों के साथ सामरिक भागीदारी एवं गहरे होते संबंध से 'वसुधैव कुटुंबकम' का प्राचीन मंत्र अवश्य सिद्ध होगा। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

शपथ ग्रहण समारोह, दिल्ली

रेखा गुप्ता ने ली दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ

छह कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली

अब दिल्ली में 'डबल इंजन' की सरकार है। यानी केंद्र और प्रदेश दोनों जगह भाजपानीत सरकार। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन एवं मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली 'विकसित भारत' की 'विकसित राजधानी' बनेगी

यह टीम दिल्ली के लिए सुशासन सुनिश्चित करेगी : नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर लिखा, "श्रीमती रेखा गुप्ता जी को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई। वे जमीनी स्तर से उठकर आई हैं, कैंपस राजनीति, प्रदेश संगठन, नगर निगम प्रशासन में सक्रिय रहीं और अब विधायक के साथ-साथ मुख्यमंत्री भी हैं। मुझे विश्वास है कि वे दिल्ली के विकास के लिए पूरी ताकत से काम करेंगी। उनके सफल कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर दिल्ली सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई देते हुए लिखा, "श्री प्रवेश साहिब सिंह जी, श्री आशीष सूद जी, सरदार मनजिंदर सिंह सिरसा जी, श्री रविंदर इंद्राज सिंह जी, श्री कपिल मिश्रा जी और श्री पंकज कुमार सिंह जी को दिल्ली सरकार में मंत्री पद की शपथ लेने पर बधाई। इस टीम में उत्साह और अनुभव का शानदार मेल है और यह निश्चित रूप से दिल्ली के लिए सुशासन सुनिश्चित करेगी। उन्हें शुभकामनाएं।"

'विकसित दिल्ली' का हमारा संकल्प साकार होगा : जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी।

श्री नड्डा ने 'एक्स' पर लिखा, "श्रीमती रेखा गुप्ता जी को दिल्ली की मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को मंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देता हूं। दिल्ली के जनता-जनार्दन ने भाजपा को ऐतिहासिक बहुमत प्रदान कर डबल इंजन सरकार को अपना समर्थन और आशीर्वाद प्रदान किया है।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में भाजपा सरकार जनभावनाओं के अनुरूप दिल्ली का सर्वांगीण विकास कर जन-कल्याण के कार्यों को तेज गति प्रदान करेगी। 'विकसित दिल्ली' का हमारा संकल्प आपके नेतृत्व में साकार होगा।"

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गरिमामयी उपस्थिति में दिल्ली भाजपा विधायक दल की नेता श्रीमती रेखा गुप्ता ने 20 फरवरी, 2025 को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह में दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। श्रीमती रेखा गुप्ता, जो शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र से लगभग तीस हजार वोटों के अंतर से निर्वाचित हुईं और 19 फरवरी, 2025 को दिल्ली में हुई एक बैठक में सर्वसम्मति से प्रदेश भाजपा विधायक दल की नेता चुनी गईं, ने पहली बार राज्य की मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। श्रीमती गुप्ता दिल्ली में भाजपा की चौथी मुख्यमंत्री और यह पद संभालने वाली दूसरी भाजपा महिला नेता बनीं। वह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री भी हैं।

श्रीमती रेखा गुप्ता के अलावा छह निर्वाचित विधायकों— श्री प्रवेश साहिब सिंह, श्री आशीष सूद, श्री मनजिंदर सिंह सिरसा, श्री रविंदर इंद्राज सिंह, श्री कपिल मिश्रा और श्री पंकज कुमार सिंह ने भी नए मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में शपथ लिया।

यह भव्य कार्यक्रम सुबह 11 बजे शुरू हुआ और दोपहर 1 बजे संपन्न हो गया। दिल्ली के उपराज्यपाल श्री विनय कुमार सक्सेना ने मुख्यमंत्री को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुख्यमंत्री को शपथ दिलाने के बाद उपराज्यपाल ने छह अन्य मंत्रियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इससे पहले महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री और अन्य छह विधायकों को दिल्ली में मंत्री के रूप में नियुक्त किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया, "राष्ट्रपति, श्रीमती रेखा गुप्ता को शपथ ग्रहण की तिथि से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की मुख्यमंत्री नियुक्त करती हैं।"

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्रिमंडल, भाजपा एवं एनडीए के मुख्यमंत्री एवं उपमुख्यमंत्री, पार्टी के कई अन्य वरिष्ठ नेता, दिल्ली भाजपा के नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे। नेताओं के साथ-साथ, इसमें विभिन्न पंथों के आध्यात्मिक नेताओं, विभिन्न नागरिक समूहों जैसे ऑटो चालक, स्वच्छता कार्यकर्ता, आरडब्ल्यूए सदस्य, ओबीसी श्रेणी से संबंधित विभिन्न समुदायों, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले और फुटपाथ विक्रेताओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समारोह के दौरान ऐतिहासिक रामलीला मैदान में भाजपा कार्यकर्ताओं और पार्टी समर्थकों का ज्वार उमड़ पड़ा।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि वे जमीनी स्तर से उठकर आई हैं, कैंपस राजनीति, प्रदेश संगठन, नगर निगम प्रशासन में सक्रिय रहीं और अब विधायक के साथ-साथ मुख्यमंत्री भी हैं। नवगठित सरकार को बधाई देते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि श्रीमती रेखा गुप्ता जी को दिल्ली की मुख्यमंत्री और मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को मंत्री के रूप में शपथ लेने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं देता हूं।

यह नई टीम दिल्ली के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं अन्य सभी मंत्रियों को शपथ लेने पर बधाई दी।

श्री सिंह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "श्रीमती रेखा गुप्ता जी एवं उनकी मंत्रिस्तरीय टीम के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। दिल्ली में इतिहास रच गया है, क्योंकि 27 साल के अंतराल के बाद भाजपा सत्ता में आई है।

आज शपथ लेने वालों को बधाई। दिल्ली को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाने के उनके प्रयास में उन्हें शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक नेतृत्व में यह नई टीम दिल्ली के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।"

भाजपा सरकार दिल्ली को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाएगी: अमित शाह

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने श्रीमती रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर उन्हें एवं अन्य सभी मंत्रियों को बधाई दी।

श्री शाह ने 'एक्स' पर लिखा, "दिल्ली की जनता ने धोखे और वादाखिलाफी के राज को समाप्त कर सेवा और समर्पण की पर्याय भाजपा को चुना है।

आज नवगठित भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर श्रीमती रेखा गुप्ता जी तथा अन्य सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने दिल्ली के वंचितों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के कल्याण के लिए 'विकसित दिल्ली' का जो विजन बनाया है, वह आप सभी के कुशल नेतृत्व में निश्चित साकार होगा। भाजपा सरकार दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और संपन्न बनाकर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाएगी।"

अभिनंदन! अभिनंदन! अभिनंदन!

तीन दशकों की गौरवपूर्ण सक्रियता

- 1992: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् की सदस्य बनीं
- 1995-1996: सचिव, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ
- 1996-1997: अध्यक्ष, दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ
- 2002: भारतीय जनता पार्टी की सदस्य बनीं
- 2002-2005: राष्ट्रीय मंत्री, भारतीय जनता युवा मोर्चा
- 2007-2012-2017: पार्षद, उत्तरी पीतमपुरा (भाजपा)
- 2007-2008: अध्यक्ष, महिला कल्याण एवं बाल विभाग समिति, एमसीडी (भाजपा)
- 2012: राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य, भाजपा
- 2012-2013: अध्यक्ष, शिक्षा समिति, एनडीएमसी (भाजपा)
- 2013-2015: राष्ट्रीय महामंत्री, भाजपा महिला मोर्चा
- 2015-2017: महामंत्री, भाजपा दिल्ली प्रदेश
- 2021-अभी तक: राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा
- 2022-2025: पार्षद, शालीमाग बाग-बी (भाजपा)
- 2025: शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र से जीत।
- 2025: मुख्यमंत्री (वित्त, योजना, सामान्य प्रशासन, महिला एवं बाल कल्याण, सेवाएं, राजस्व, भूमि, भवन, जनसंपर्क, सतर्कता एवं प्रशासनिक सुधार विभागों का कार्यभार तथा जो विभाग किसी अन्य मंत्री को आवंटित नहीं है।)

पीडब्ल्यूडी, विधायी मामले, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, जल एवं गुरुद्वारा चुनाव

प्रवेश साहिब सिंह

समाज कल्याण, अनु.जाति एवं अनु.जनजाति कल्याण, सहकारिता, चुनाव

रविंदर इंद्राज सिंह

गृह, बिजली, शहरी विकास, शिक्षा, उच्च शिक्षा, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा

आशीष सूद

कानून एवं न्याय, श्रम, रोजगार, विकास, कला एवं संस्कृति, भाषा, पर्यटन

कपिल मिश्रा

खाद्य एवं आपूर्ति, वन एवं पर्यावरण, उद्योग

मनजिंदर सिंह सिरसा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, परिवहन, आईटी

पंकज कुमार सिंह

हम सब मिलकर विकसित और समृद्ध दिल्ली बनाएंगे: रेखा गुप्ता

मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद श्रीमती रेखा गुप्ता ने कहा कि यह सिर्फ एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि दिल्लीवासियों की आकांक्षाओं को साकार करने का एक अवसर है।

उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, "माननीय प्रधानमंत्री जी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को अपनाते हुए, हम दिल्ली को आधुनिक बुनियादी ढांचे, उत्तम स्वास्थ्य सेवाओं, उत्कृष्ट शिक्षा और रोजगार के नए अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाएंगे।

आप सभी का आशीर्वाद और सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। हम सभी मिलकर एक आत्मनिर्भर, विकसित और समृद्ध दिल्ली बनाएंगे।

श्रीमती गुप्ता ने मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया और गंभीर चुनौतियों से निपटने के लिए अपने प्रशासन की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने वायु और नदी प्रदूषण से निपटने, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने और शिक्षा और स्वास्थ्य देखभाल जैसी आवश्यक सेवाओं में सुधार के लिए एक व्यापक रणनीति पर जोर दिया।

शपथ ग्रहण समारोह बेहतर शासन, पारदर्शिता और आर्थिक विकास की प्रतिबद्धता के साथ दिल्ली के लिए एक नए राजनीतिक अध्याय का प्रतीक है।

उल्लेखनीय है कि भारतीय जनता पार्टी ने 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिससे लगभग तीन दशकों के बाद राष्ट्रीय राजधानी में सत्ता में पार्टी का वापसी हुई है। 08 फरवरी, 2025 को घोषित नतीजों में भाजपा ने 70 में से 48 सीटें जीतीं, जबकि आम आदमी पार्टी को केवल 22 सीटें हासिल हुईं। कांग्रेस पार्टी लगातार तीसरी बार चुनाव में अपना खाता खोलने में विफल रही।

5 फरवरी, 2025 को हुए चुनावों में 60 प्रतिशत से अधिक मतदान

रेखा गुप्ता भाजपा विधायक दल की नेता चुनी गईं

शपथ ग्रहण समारोह से एक दिन पहले 19 फरवरी, 2025 को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित भारतीय जनता पार्टी विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से श्रीमती रेखा गुप्ता को भाजपा विधायक दल की नेता के रूप में चुना गया।

भाजपा विधायक दल के नेता के रूप में उनके चुनाव के बाद श्रीमती रेखा गुप्ता ने उपराज्यपाल श्री वी.के. सक्सेना से भेंट की और दिल्ली में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया।

बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षकों— श्री रविशंकर प्रसाद एवं श्री ओमप्रकाश धनखड़ की उपस्थिति में सभी 48 नवनिर्वाचित भाजपा विधायकों ने भाग लिया।

श्रीमती गुप्ता 1990 के दशक में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् में शामिल हुईं। इसके बाद उन्होंने भाजपा में कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन किया। तीन बार पार्षद और एसडीएमसी की पूर्व मेयर के रूप में उनका कार्यकाल यशस्वी रहा है।

2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव में शालीमार बाग से आम आदमी पार्टी की बंदना कुमारी को बड़े अंतर से हराना उनकी राजनीतिक यात्रा में उल्लेखनीय है। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं दिल्ली भाजपा की पूर्व महामंत्री के रूप में उनकी दिल्ली की राजनीति में एक विशिष्ट पहचान बनी हुई है। वह दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री और श्रीमती सुषमा स्वराज के बाद दूसरी महिला भाजपा मुख्यमंत्री बनीं।

घोषणा के बाद श्रीमती रेखा गुप्ता ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय एवं दिल्ली भाजपा नेतृत्व और सभी भाजपा विधायकों को उनके भरोसे के लिए धन्यवाद दिया।

श्रीमती रेखा ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, "मुझ पर भरोसा करके मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं सभी शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं।" ■

हुआ। भाजपा की इस ऐतिहासिक जीत का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जनसभाओं में वायु प्रदूषण, बुनियादी ढांचे के विकास, सार्वजनिक सेवाओं, यमुना की सफाई और केंद्र सरकार की ऐतिहासिक उपलब्धियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार व्यक्त कर मजबूत अभियान चलाने को दिया जाता है। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत राजधानी के राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण मोड़ है। पार्टी द्वारा मजबूत अभियान, नेतृत्व की रणनीति और सुशासन के प्रमुख मुद्दों को उठाया जाना मतदाताओं को पसंद आया, जिससे निर्णायक जीत हुई। यह जीत भाजपा के दृष्टिकोण और शासन में मतदाताओं के नए विश्वास को दर्शाती है, जो दिल्ली के राजनीतिक और विकासात्मक परिदृश्य में एक परिवर्तनकारी युग का मार्ग प्रशस्त करती है। ■

गुजरात स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा की शानदार जीत

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 18 फरवरी को गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों में पार्टी की शानदार जीत की सराहना करते हुए इसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार की विकासात्मक पहलों में लोगों के अटूट विश्वास का प्रमाण बताया।

श्री नड्डा ने गुजरात के लोगों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल एवं प्रदेश के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

गुजरात में 1 नगर निगम, 68 नगरपालिकाओं और 3 तालुका पंचायतों के लिए 16 फरवरी को चुनाव हुए थे। घोषित परिणामों में, भाजपा ने जूनागढ़ नगर निगम में विजय प्राप्त की, जबकि 60 नगरपालिकाओं एवं सभी तीन तालुका पंचायतों में भी ऐतिहासिक जीत हासिल की।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में श्री नड्डा ने लिखा, "गुजरात नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचण्ड विजय पर मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल जी और भाजपा गुजरात प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। यह ऐतिहासिक विजय आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में प्रदेश में क्रियान्वित हो रही समावेशी, विकासोन्मुखी एवं कल्याणकारी नीतियों पर जनता जनार्दन के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि गुजरात स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, गुजरात के लोगों ने एक बार फिर मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की नीतियों और पहलों के प्रति समर्थन व्यक्त किया है। गुजरात की जनता ने कांग्रेस को नकार कर नगरीय निकाय चुनाव में भी भाजपा के पक्ष में समर्थन दिया। ■

छत्तीसगढ़ निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 15 फरवरी, 2025 को कहा कि छत्तीसगढ़ नगर निगम चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 'डबल इंजन' सरकार के विकास प्रयासों में छत्तीसगढ़ के लोगों के विश्वास का प्रमाण है। श्री नड्डा ने इस ऐतिहासिक जीत के लिए छत्तीसगढ़ की जनता के प्रति आभार व्यक्त किया और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष श्री किरण देव और प्रदेश के सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ में 10 नगर निगमों, 49 नगर पालिकाओं और 113 नगर परिषदों के लिए 11 जनवरी, 2025 को चुनाव हुए थे। घोषित परिणामों में भाजपा ने सभी 10 नगर निगमों में विजय प्राप्त की, 49 नगरपालिकाओं में से 35 पर जीत हासिल की और 113 नगर परिषदों में से 81 स्थानों पर जीत दर्ज की।

सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में श्री नड्डा ने लिखा, "छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड विजय पर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, प्रदेश अध्यक्ष श्री किरण देव जी और भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। यह ऐतिहासिक विजय आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रहीं जन-कल्याणकारी व जनजातीय-हितैषी योजनाओं पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है।"।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ स्थानीय निकाय चुनाव के नतीजों ने स्पष्ट संदेश दिया है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य की जनता ने एक बार फिर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार की नीतियों और पहलों का समर्थन किया है। छत्तीसगढ़ की जनता ने कांग्रेस को नकारते हुए नगरीय निकाय चुनाव में भी भाजपा के पक्ष में समर्थन दिया। ■

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कतर के अमीर से भेंट की

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली में 18 फरवरी, 2025 को कतर राज्य के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी से भेंट की।

इस बैठक के दौरान श्री नड्डा ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र की प्रगति और दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र तक पहुंच एवं किफायती चिकित्सा देखभाल प्रदान करने में सरकार के प्रयासों के बारे में विस्तार से बताया। श्री नड्डा ने स्वास्थ्य सेवा एवं दवा क्षेत्र में कतर और भारत के बीच सहयोग के अवसरों पर भी बात की। श्री नड्डा ने कतर में रहने वाले प्रवासी भारतीय समुदाय को लेकर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी के सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद भी दिया।

महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने श्री नड्डा को आम चुनाव एवं प्रदेश चुनावों में जीत पर बधाई दी और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकास के दृष्टिकोण की प्रशंसा की। उन्होंने इस बात पर भी सहमति व्यक्त की कि भारत एवं कतर के बीच स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सहयोग जारी रखा जाए और भविष्य की संभावनों पर विचार किया जाए। इस बैठक के दौरान श्री नड्डा के साथ भाजपा विदेश मामलों के विभाग के प्रभारी डॉ. विजय चौथाईवाले भी उपस्थित रहे।

गौरतलब है कि महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल थानी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भारत की राजकीय यात्रा पर आए थे। ■

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की फ्रांस एवं अमेरिका यात्रा से रणनीतिक संबंध और मजबूत हुए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर 10-12 फरवरी के दौरान फ्रांस और उसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे. ट्रम्प के निमंत्रण पर अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा की। फ्रांस में श्री मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की और मार्सिले में भारत के महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन किया। अमेरिका में प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री ट्रम्प ने द्विपक्षीय व्यापार के लिए एक साहसिक नया लक्ष्य निर्धारित किया— 'मिशन 500', जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक करके 500 बिलियन डॉलर करना है

फ्रांस

फ्रांसीसी गणराज्य के राष्ट्रपति महामहिम श्री इमैनुएल मैक्रों के निमंत्रण पर भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 10 से 12 फरवरी 2025 को फ्रांस की यात्रा पर रहे। 10 और 11 फरवरी 2025 को फ्रांस और भारत ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट की सह-अध्यक्षता की, ताकि ब्लेचली पार्क (नवंबर, 2023) और सियोल (मई, 2024) शिखर सम्मेलनों के दौरान हासिल की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों को आगे बढ़ाया जा सके। इस समिट में राष्ट्राध्यक्ष और सरकार के प्रमुख, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेता, छोटे और बड़े उद्यमों के प्रमुख, शिक्षाविद, गैर-सरकारी संगठन, कलाकार और नागरिक समाज के सदस्य शामिल हुए।

प्रधानमंत्री श्री मोदी की यह छठी फ्रांस यात्रा थी। उनकी यह यात्रा राष्ट्रपति श्री मैक्रों की जनवरी, 2024 में भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि के रूप में भारत यात्रा के बाद हुई है।

मार्सिले में भारत के महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन

इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री मैक्रों ने असाधारण रूप से मजबूत और बहुआयामी द्विपक्षीय सहयोग के संपूर्ण पहलुओं और वैश्विक और क्षेत्रीय मामलों पर द्विपक्षीय चर्चा की। दोनों नेता मार्सिले भी गए, जहां राष्ट्रपति श्री मैक्रों ने प्रधानमंत्री श्री मोदी के लिए एक निजी रात्रिभोज का आयोजन किया। यह दोनों नेताओं के बीच उत्कृष्ट संबंधों को दर्शाता है। उन्होंने संयुक्त रूप से मार्सिले में भारत के महावाणिज्य दूतावास का उद्घाटन भी किया। साथ ही, अंतरराष्ट्रीय थर्मोन्यूक्लियर प्रायोगिक रिएक्टर सुविधा का भी दौरा किया।

दोनों नेताओं ने विशेष रूप से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् के सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और यूएनएससी मामलों सहित बहुपक्षीय मंचों पर निकटता से समन्वय करने पर सहमति व्यक्त की। फ्रांस ने यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए अपने दृढ़ समर्थन को दोहराया। दोनों नेताओं ने सामूहिक अत्याचारों के मामले में वीटो के उपयोग के विनियमन पर बातचीत को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

दोनों नेताओं ने भारत में स्कॉर्पीन पनडुब्बियों के निर्माण में सहयोग में प्रगति की सराहना की। इसमें स्वदेशीकरण और विशेष रूप से डीआरडीओ द्वारा विकसित एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन को पी75-स्कॉर्पीन पनडुब्बियों में एकीकृत करने और भविष्य की पी75-एएस पनडुब्बियों में एकीकृत लड़ाकू प्रणाली के संभावित एकीकरण के संबंध में किए गए विश्लेषण भी शामिल हैं। दोनों नेताओं ने 15 जनवरी, 2025 को पी75 स्कॉर्पीन-क्लास परियोजना की छठी और अंतिम पनडुब्बी, आईएनएस वाघशीर के चालू होने का स्वागत किया। दोनों पक्षों ने मिसाइलों, हेलीकॉप्टर इंजन और जेट

इंजन को लेकर चल रही चर्चाओं का स्वागत किया।

दोनों नेताओं ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर विस्तृत बातचीत की, जिसमें मध्य-पूर्व और यूक्रेन में युद्ध भी शामिल है। उन्होंने नियमित आधार पर समन्वय और निकटता से जुड़े रहने के अपने प्रयासों को जारी रखने पर सहमति व्यक्त की।

एआई पर भारत-फ्रांस रोडमैप

प्रधानमंत्री श्री मोदी और राष्ट्रपति श्री मैक्रों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) पर भारत-फ्रांस रोडमैप लॉन्च किया, जो सुरक्षित, खुले, संरक्षित और भरोसेमंद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विकास पर ध्यान केंद्रित करते हुए उनके दृष्टिकोणों में दार्शनिकता पर आधारित है। उन्होंने फ्रेंच स्टार्टअप इनक्यूबेटर स्टेशन एफ में भारतीय स्टार्टअप को शामिल करने का स्वागत किया। उन्होंने फ्रांस में भारत की वास्तविक समय भुगतान प्रणाली 'यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस' (यूपीआई) का उपयोग करने की विस्तारित संभावनाओं का भी स्वागत किया।

दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस असैन्य परमाणु संबंधों और परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर सहयोग के प्रयासों विशेष रूप से जैतापुर परमाणु ऊर्जा संयंत्र परियोजना के संबंध में स्वीकार किया। उन्होंने असैन्य परमाणु ऊर्जा पर विशेष कार्य बल की पहली बैठक का स्वागत किया और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) और उन्नत मॉड्यूलर रिएक्टर (एएमआर) के आशय पत्र पर हस्ताक्षर करने और परमाणु पेशेवरों के प्रशिक्षण और शिक्षा में सहयोग के लिए भारत के जीसीएनईपी, डीएई और फ्रांस के आईएनएसटीएन, सीईए के बीच कार्यान्वयन समझौते का स्वागत किया।

संयुक्त राज्य अमेरिका

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड जे. ट्रम्प ने 13 फरवरी, 2025 को वाशिंगटन डीसी में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की आधिकारिक कार्यकारी यात्रा की मेजबानी की। राष्ट्रपति श्री ट्रम्प और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने 13 फरवरी को सहयोग के प्रमुख स्तंभों में परिवर्तनकारी बदलाव लाने हेतु एक नई पहल '21वीं सदी के लिए यूएस-इंडिया कॉम्पैक्ट (सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को उत्प्रेरित करना)' का शुभारंभ किया। इस पहल के अंतर्गत उन्होंने पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी के लिए विश्वास के स्तर को प्रदर्शित करने के लिए इस वर्ष प्रारंभिक परिणामों के साथ परिणाम-संचालित एजेंडे के लिए प्रतिबद्धता जताई।

रक्षा

रक्षा संबंधों को और आगे बढ़ाने के लिए दोनों पक्षों ने इस वर्ष 21वीं सदी में यूएस-भारत प्रमुख रक्षा साझेदारी के लिए एक नए दस वर्षीय फ्रेमवर्क पर हस्ताक्षर करने की योजना की घोषणा की। दोनों नेताओं ने आज तक भारत की सैन्य सूची में सी-130जे सुपर हरक्यूलिस, सी-17 ग्लोबमास्टर III, पी-8I पोसीडॉन विमान; सीएच-47एफ चिनूक,

एमएच-60आर सीहॉक्स और एएच-64ई अपाचे; हार्पून जहाज रोधी मिसाइलें; एम777 हॉवित्ज़र और एमक्यू-9बीएस जैसी अमेरिकी मूल की रक्षा वस्तुओं के महत्वपूर्ण एकीकरण का स्वागत किया।

व्यापार और निवेश

दोनों नेताओं ने अपने नागरिकों को अधिक समृद्ध, राष्ट्रों को मजबूत, अर्थव्यवस्थाओं को अधिक नवीन और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक सरल बनाने के लिए व्यापार और निवेश का विस्तार करने का संकल्प लिया। उन्होंने निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोजगार सृजन सुनिश्चित करने वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका-भारत व्यापार संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया। इस उद्देश्य के लिए नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार के लिए एक साहसिक नया लक्ष्य निर्धारित किया— 'मिशन 500', जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक करके 500 बिलियन डॉलर करना है।

दोनों नेताओं ने यूएस-इंडिया ट्रस्ट (रणनीतिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर संबंधों में परिवर्तन) पहल की शुरुआत की घोषणा की, जो रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक, क्वांटम, जैव प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों के अनुप्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सरकार-से-सरकार, शिक्षा और निजी क्षेत्र के सहयोग को उत्प्रेरित करेगी, जबकि सत्यापित प्रौद्योगिकी विक्रेताओं के उपयोग को प्रोत्साहित करेगी और सुनिश्चित करेगी कि संवेदनशील प्रौद्योगिकियों की सुरक्षा की जाए।

लोगों के बीच सहयोग

राष्ट्रपति श्री ट्रम्प और प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दोनों देशों के बीच लोगों के बीच संबंधों को आगे बढ़ाने के महत्व पर ध्यान दिया। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि 3,00,000 से अधिक भारतीय छात्र समुदाय अमेरिकी अर्थव्यवस्था में वार्षिक 8 बिलियन डॉलर से अधिक का योगदान देता है और कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नौकरियों के सृजन में मदद करता है। उन्होंने माना कि छात्रों, शोधकर्ताओं और कर्मचारियों के प्रतिभा प्रवाह और आवागमन ने दोनों देशों को परस्पर लाभान्वित किया है। ■

पीएम-किसान की 19वीं किस्त जारी

प्रधानमंत्री ने 9.8 करोड़ किसानों को 22,000 करोड़ रुपये से अधिक की किस्त जारी की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 24 फरवरी, 2025 को बिहार के भागलपुर में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 19वीं किस्त जारी की। देश भर में 2.41 करोड़ महिला किसानों सहित 9.8 करोड़ से अधिक किसान 19वीं किस्त जारी होने से लाभान्वित होंगे, उन्हें किसी भी बिचौलिए की भागीदारी के बिना प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से 22,000 करोड़ रुपये से अधिक की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्राप्त होगी, जो किसान कल्याण और कृषि समृद्धि के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दर्शाती है। इस किस्त के साथ यह योजना देश भर के किसानों को सहायता प्रदान करेगी और ग्रामीण विकास तथा कृषि समृद्धि के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को मजबूत बनाएगी। इससे पहले प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 5 अक्टूबर, 2024 को महाराष्ट्र के वाशिम में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम-किसान) योजना की 18वीं किस्त जारी की थी। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में देश भर के 9.4 करोड़ से अधिक किसानों को प्रत्यक्ष वित्तीय लाभ प्राप्त हुआ, जिसकी राशि 20,000 करोड़ रुपये से अधिक थी

पीएम-किसान एक केंद्रीय योजना है जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी, 2019 में भूमिधारक किसानों की वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शुरू किया था। इस योजना के अंतर्गत किसानों के आधार से जुड़े बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से तीन समान किस्तों में प्रति वर्ष 6,000 रुपये का वित्तीय लाभ हस्तांतरित किया जाता है।

किसान-केंद्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे ने यह सुनिश्चित किया है कि इस योजना का लाभ बिना किसी बिचौलिए की भागीदारी के देश भर के सभी किसानों तक पहुंचे। लाभार्थियों के पंजीकरण और सत्यापन में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखते हुए भारत सरकार ने फरवरी, 2025 तक स्थापना के बाद से 18 किस्तों में 3.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक धन का वितरण किया है।

उद्देश्य

छोटे और सीमांत किसानों (एसएमएफ) की आय बढ़ाने के साथ-साथ, पीएम-किसान योजना का उद्देश्यः

- प्रत्येक फसल चक्र के अंत में प्रत्याशित कृषि आय के अनुरूप उचित फसल स्वास्थ्य और उचित उपज सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न इनपुट की खरीद में एसएमएफ की वित्तीय जरूरतों को पूरा करना।
- यह किसानों के ऐसे व्यय को पूरा करने के लिए साहूकारों के चंगुल में फंसने से भी बचाएगा और खेती से जुड़ी गतिविधियों में उनकी निरंतरता सुनिश्चित करेगा।

तकनीकी उन्नति

पीएम-किसान योजना को और अधिक कुशल, प्रभावी और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से किसान-केंद्रित डिजिटल बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार किए गए हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस योजना का लाभ बिना किसी बिचौलिए के देश भर के सभी किसानों तक पहुंचे।

24 फरवरी, 2020 को पीएम-किसान योजना मोबाइल ऐप की शुरुआत की गई थी। इस ऐप को अधिक पारदर्शिता और अधिक किसानों तक पहुंच बनाने के लिए विकसित किया गया है। पीएम-किसान मोबाइल ऐप, पीएम-किसान वेब पोर्टल का एक सरल और कुशल विस्तार है। वर्ष 2023 में इस ऐप को एक अतिरिक्त 'फेस ऑथेंटिकेशन फीचर' के साथ लॉन्च किया गया था। इस ऐप ने दूरदराज के किसानों को बिना ओटीपी या फिंगरप्रिंट के अपना चेहरा स्कैन करके ई-केवाईसी करने में सक्षम बनाया।

पोर्टल और मोबाइल ऐप स्व-पंजीकरण, लाभ स्थिति ट्रैकिंग और चेहरे की प्रमाणीकरण-आधारित ई-केवाईसी जैसी सेवाएं प्रदान करते हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में किसान अपना चेहरा स्कैन करके ई-केवाईसी पूरा कर सकते हैं, जिसमें पड़ोसियों की सहायता करने का भी प्रावधान है।

पंजीकरण की सुविधा और अनिवार्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 5 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी)

को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, पोर्टल पर एक मजबूत शिकायत निवारण प्रणाली बनाई गई है और सितंबर, 2023 में लॉन्च किया गया एआई चैटबॉट, किसान-ईमित्र, भुगतान, पंजीकरण और पात्रता के बारे में स्थानीय भाषाओं में प्रश्नों का त्वरित समाधान प्रदान करता है। किसान अपने आस-पास के 100 अन्य किसानों को उनके घर पर ई-केवाईसी पूरा करने में भी सहायता कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, भारत सरकार ने किसानों के ई-केवाईसी को पूरा करने की सुविधा राज्य सरकार के अधिकारियों को भी दी है, जिससे प्रत्येक अधिकारी 500 किसानों के लिए ई-केवाईसी कर सकता है।

पीएम-किसान एआई चैटबॉट

वर्ष 2023 में पीएम-किसान योजना के लिए एक एआई चैटबॉट लॉन्च किया गया, जो केंद्र सरकार की एक प्रमुख फ्लैगशिप योजना के साथ पहला एकीकृत एआई चैटबॉट बन गया। एआई चैटबॉट किसानों को उनके प्रश्नों के त्वरित, स्पष्ट और सटीक उत्तर प्रदान करता है। इसे एकस्टेप फाउंडेशन और भाषिनी के सहयोग से उन्नत और बेहतर बनाया गया है। पीएम-किसान शिकायत प्रबंधन प्रणाली में एआई चैटबॉट की शुरुआत का उद्देश्य किसानों के अनुकूल एक सुलभ मंच प्रदान करके उन्हें सशक्त बनाना है।

पीएम किसान मोबाइल ऐप के माध्यम से सुलभ एआई चैटबॉट को भाषिनी के साथ एकीकृत किया गया है, जो पीएम किसान लाभार्थियों की भाषाई और क्षेत्रीय विविधता को ध्यान में रखते हुए बहुभाषी सहायता प्रदान करता है। 'डिजिटल इंडिया भाषिनी' का उद्देश्य भारतीय भाषाओं में इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं तक आसान पहुंच को सक्षम बनाना है, जिसमें वॉयस-आधारित पहुंच भी शामिल है और भारतीय भाषाओं में सामग्री के निर्माण में मदद करना शामिल है। उन्नत प्रौद्योगिकी के इस एकीकरण से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि किसानों को सूचित निर्णय लेने में भी सशक्त बनाया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, डाक विभाग पीएम किसान योजना से लाभान्वित होने वाले किसानों के लिए आधार के साथ मोबाइल नंबर को जोड़ने/अपडेट करने की सुविधा प्रदान करता है। यह इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के माध्यम से ई-केवाईसी को पूरा करने के लिए है। योजना में नामांकन के लिए अनिवार्य जानकारी निम्न प्रकार है:

- किसान/पति/पत्नी का नाम
- किसान/पति/पत्नी की जन्म तिथि
- बैंक खाता संख्या
- आईएफएससी/एमआईसीआर कोड
- मोबाइल नंबर
- आधार संख्या
- पासबुक में उपलब्ध अन्य ग्राहक जानकारी जो अनिवार्य पंजीकरण के लिए आवश्यक है

प्रभाव और उपलब्धियां

- अपनी स्थापना के बाद से भारत सरकार ने 18 किस्तों में 3.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक का वितरण किया है।
- नवंबर, 2023 में विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत शुरू किए गए एक महत्वपूर्ण संतृप्ति अभियान ने इस योजना में 1 करोड़ से अधिक पात्र किसानों को जोड़ा।
- जून, 2024 में अगली सरकार के पहले 100 दिनों के भीतर अतिरिक्त 25 लाख किसानों को शामिल किया गया। जिसके परिणामस्वरूप, 18वीं किस्त प्राप्त करने वाले लाभार्थियों की संख्या बढ़कर 9.59 करोड़ हो गई।
- विभिन्न राज्यों में इस योजना की व्यापक पहुंच है; उदाहरण के लिए 18वीं किस्त (अगस्त, 2024 – नवंबर, 2024) के दौरान उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक 2,25,78,654 लाभार्थी थे, उसके बाद बिहार में 75,81,009 लाभार्थी थे।

एक आशाजनक यात्रा

अंतरराष्ट्रीय खाद्य नीति अनुसंधान संस्थान (आईएफपीआरआई) के वर्ष 2019 में किए गए एक स्वतंत्र अध्ययन में पाया गया कि पीएम-किसान निधि ने ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया, किसानों की ऋण से जुड़ी बाधाओं को कम किया और कृषि इनपुट निवेश में वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, इस योजना ने किसानों की जोखिम लेने की क्षमता को बढ़ाया है, जिससे वे जोखिम भरे लेकिन तुलनात्मक रूप से उत्पादक निवेश के लिए प्रेरित हुए हैं।

पीएम-किसान के अंतर्गत लाभार्थियों को मिलने वाली धनराशि न केवल उनकी कृषि आवश्यकताओं में मदद कर रही है, बल्कि यह उनकी शिक्षा, चिकित्सा, विवाह आदि जैसे अन्य खर्चों को भी पूरा कर रही है। जो देश के किसानों पर इस योजना के सकारात्मक प्रभाव के संकेतक हैं। पीएम-किसान योजना वास्तव में हमारे देश के कृषक समुदाय के लिए एक परिवर्तनकारी बदलाव है।

निष्कर्ष

पिछले पांच वर्षों में पीएम-किसान योजना कृषक समुदाय के लिए एक परिवर्तनकारी पहल के रूप में विकसित हुई है, जिसकी वित्तीय समावेशन और ग्रामीण सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका हैं। लाखों किसानों को प्रत्यक्ष और समय पर सहायता प्रदान करने के इस योजना के दृष्टिकोण को उल्लेखनीय दक्षता के साथ लागू किया गया है। इस योजना का निर्बाध डिजिटल बुनियादी ढांचा, जो लाभार्थियों के खातों में सीधे धन हस्तांतरण को सक्षम बनाता है, ने पारदर्शिता और प्रभावी शासन के लिए एक मानक स्थापित किया है। पीएम-किसान योजना की पहुंच का विस्तार कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने और देश के किसानों की आजीविका को बढ़ाने की सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। ■

प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) को 2025-26 तक मिली मंजूरी

केंद्र सरकार अगले चार वर्षों तक राज्यों के तुअर, उड़द और मसूर उत्पादन का 100 प्रतिशत खरीदेगी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 17 फरवरी को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार भारत सरकार ने एकीकृत प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान (पीएम-आशा) योजना को 15वें वित्त आयोग चक्र के दौरान 2025-26 तक जारी रखने की मंजूरी दे दी। एकीकृत पीएम-आशा योजना खरीद कार्यों के कार्यान्वयन में अधिक प्रभावशीलता लाने के लिए संचालित की जाती है जो न केवल किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य प्रदान करने में मदद करेगी, बल्कि उपभोक्ताओं के लिए सस्ती कीमतों पर उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करके आवश्यक वस्तुओं की कीमत में अस्थिरता को भी नियंत्रित करेगी।

पीएम-आशा योजना की मूल्य समर्थन योजना के तहत निर्धारित उचित औसत गुणवत्ता के अनुरूप अधिसूचित दलहन, तिलहन और खोपरा की खरीद केंद्रीय नोडल एजेंसियों (सीएनए) द्वारा राज्य स्तरीय एजेंसियों के माध्यम से पूर्व-पंजीकृत किसानों से सीधे एमएसपी पर की जाती है।

दालों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने में योगदान देने वाले किसानों को प्रोत्साहित करने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार ने खरीद वर्ष 2024-25 के लिए राज्य के उत्पादन के 100 प्रतिशत के बराबर पीएसएस के तहत तुअर, उड़द और मसूर की खरीद की अनुमति दी है।

सरकार ने बजट 2025 में यह भी घोषणा की है कि देश में दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए राज्य के उत्पादन का 100 प्रतिशत तक तुअर (अरहर), उड़द और मसूर की खरीद केंद्रीय नोडल एजेंसियों के माध्यम से अगले चार वर्षों तक जारी रखी जाएगी।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने खरीफ 2024-25 सीजन के लिए मूल्य समर्थन योजना के तहत आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश में तुअर (अरहर) की कुल मात्रा 13.22 एलएमटी की खरीद को मंजूरी दे दी है।

आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तेलंगाना में खरीद पहले ही शुरू हो चुकी है और 15.02.2025 तक इन राज्यों में कुल 0.15 एलएमटी तुअर (अरहर) की खरीद की गई है, जिससे इन राज्यों के 12,006 किसानों को लाभ हुआ है। अन्य राज्यों में भी तुअर (अरहर) की खरीद जल्द ही शुरू होगी। भारत सरकार केंद्रीय नोडल एजेंसियों अर्थात् NAFED और NCCF के माध्यम से किसानों द्वारा उत्पादित 100 प्रतिशत तुअर खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। ■

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय समिति ने 5 राज्यों को 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केन्द्रीय सहायता को दी मंज़ूरी

वर्ष 2024 के दौरान आई बाढ़/अचानक बाढ़, भूस्खलन, चक्रवाती तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं के लिए आंध्र प्रदेश, नागालैंड, ओडिशा, तेलंगाना और त्रिपुरा को धनराशि मिलेगी

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय समिति ने 19 फरवरी को वर्ष 2024 के दौरान बाढ़, आकस्मिक बाढ़, भूस्खलन, चक्रवाती तूफान से प्रभावित हुए पांच राज्यों को राष्ट्रीय आपदा मोचन कोष (NDRF) के अंतर्गत 1554.99 करोड़ रुपये की अतिरिक्त केंद्रीय सहायता को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार का यह कदम, प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने वाले इन पांच राज्यों के लोगों की मदद करने के संकल्प को दर्शाता है।

उच्च-स्तरीय समिति ने पांच राज्यों को NDRF के तहत 1554.99 करोड़ रुपये की केन्द्रीय सहायता को मंजूरी दी, जो वर्ष के लिए राज्य आपदा मोचन कोष (SDRF) में उपलब्ध प्रारंभिक शेष राशि के 50 प्रतिशत के समायोजन के अधीन है। 1554.99 करोड़ रुपये की कुल राशि में से आंध्र प्रदेश के लिए 608.08 करोड़ रुपये, नागालैंड के लिए 170.99 करोड़ रुपये, ओडिशा के लिए 255.24 करोड़ रुपये, तेलंगाना के लिए 231.75 करोड़ रुपये और त्रिपुरा के लिए 288.93 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं।

यह अतिरिक्त सहायता केंद्र द्वारा राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष (SDRF) से जारी की गई धनराशि के अतिरिक्त है, जो पहले से ही राज्यों के पास उपलब्ध है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान केंद्र सरकार ने SDRF में 27 राज्यों को 18,322.80 करोड़ रुपये और NDRF से 18 राज्यों को 4,808.30 करोड़ रुपये, राज्य आपदा न्यूनीकरण कोष (SDMF) से 14 राज्यों को 2208.55 करोड़ रुपये और राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण कोष (NDMF) से 8 राज्यों को 719.72 करोड़ रुपये जारी किए हैं।

केंद्र सरकार ने आपदाओं के तुरंत बाद औपचारिक ज्ञापन की प्राप्ति की प्रतीक्षा किए बिना, इन राज्यों में अंतर-मंत्रालयी केंद्रीय टीमों को भेज दिया था। ■

एकता का महाकुंभ

युग परिवर्तन की आहट

नरेन्द्र मोदी

महाकुंभ संपन्न हुआ...एकता का महायज्ञ संपन्न हुआ। जब एक राष्ट्र की चेतना जागृत होती है, जब वो सैकड़ों साल की गुलामी की मानसिकता के सारे बंधनों को तोड़कर नव चैतन्य के साथ हवा में सांस लेने लगता है, तो ऐसा ही दृश्य उपस्थित होता है, जैसा हमने 13 जनवरी के बाद से प्रयागराज में एकता के महाकुंभ में देखा।

22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में मैंने देवभक्ति से देशभक्ति की बात कही थी। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान सभी देवी-देवता जुटे, संत-महात्मा जुटे बाल-वृद्ध जुटे, महिलाएं-युवा जुटे, और हमने देश की जागृत चेतना का साक्षात्कार किया। ये महाकुंभ एकता का महाकुंभ था, जहां 140 करोड़ देशवासियों की आस्था एक साथ एक समय में इस एक पर्व से आकर जुड़ गई थी।

तीर्थराज प्रयाग के इसी क्षेत्र में एकता, समरसता और प्रेम का पवित्र क्षेत्र श्रृंगवेरपुर भी है, जहां प्रभु श्रीराम और निषादराज का मिलन हुआ था। उनके मिलन का वो प्रसंग भी हमारे इतिहास में भक्ति और सद्भाव के संगम की तरह ही है। प्रयागराज का ये तीर्थ आज भी हमें एकता और समरसता की वो प्रेरणा देता है।

बीते 45 दिन, प्रतिदिन, मैंने देखा, कैसे देश के कोने-कोने से लाखों-लाख लोग संगम तट की ओर बढ़े जा रहे हैं। संगम पर स्नान की भावनाओं का ज्वार, लगातार बढ़ता ही रहा। हर श्रद्धालु बस एक ही धुन में था— संगम में स्नान। मां गंगा, यमुना, सरस्वती की त्रिवेणी हर श्रद्धालु को उमंग, ऊर्जा और विश्वास के भाव से भर रही थी।

प्रयागराज में हुआ महाकुंभ का ये आयोजन, आधुनिक युग के मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स के लिए, प्लानिंग और पॉलिसी एक्सपर्ट्स के लिए, नए सिरे से अध्ययन का विषय बना है। आज पूरे विश्व में इस तरह के विराट आयोजन की कोई दूसरी तुलना नहीं है, ऐसा कोई दूसरा उदाहरण भी नहीं है।

पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक नदी तट पर, त्रिवेणी संगम पर इतनी बड़ी संख्या में करोड़ों की संख्या में लोग जुटे। इन करोड़ों लोगों को ना औपचारिक निमंत्रण था, ना ही किस समय पहुंचना है, उसकी कोई पूर्व सूचना थी। बस, लोग महाकुंभ चल पड़े...और पवित्र संगम में डुबकी लगाकर धन्य हो गए।

मैं वो तस्वीरें भूल नहीं सकता...स्नान के बाद असीम आनंद और संतोष से भरे वो चेहरे नहीं भूल सकता। महिलाएं हों, बुजुर्ग हों, हमारे दिव्यांग जन हों, जिससे जो बन पड़ा, वो साधन करके संगम तक पहुंचा।

और मेरे लिए ये देखना बहुत ही सुखद रहा कि बहुत बड़ी संख्या में भारत की आज की युवा पीढ़ी प्रयागराज पहुंची। भारत के युवाओं का इस तरह महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए आगे आना, एक बहुत बड़ा संदेश है। इससे ये विश्वास दृढ़ होता है कि भारत की युवा पीढ़ी हमारे संस्कार और संस्कृति की वाहक है और इसे आगे ले जाने का दायित्व समझती है और इसे लेकर संकल्पित भी है, समर्पित भी है।

इस महाकुंभ में प्रयागराज पहुंचने वालों की संख्या ने निश्चित तौर पर एक नया रिकॉर्ड बनाया है। लेकिन इस महाकुंभ में हमने ये भी देखा कि जो प्रयाग नहीं पहुंच पाए, वो भी इस आयोजन से भाव-विभोर होकर जुड़े। कुंभ से लौटते हुए जो लोग त्रिवेणी तीर्थ अपने साथ लेकर गए, उस जल की कुछ बूंदों ने भी करोड़ों भक्तों को कुंभ स्नान जैसा ही पुण्य दिया। कितने ही लोगों का कुंभ से वापसी के बाद गांव-गांव में जो सत्कार हुआ, जिस तरह पूरे समाज ने उनके प्रति श्रद्धा से सिर झुकाया, वो अविस्मरणीय है।

ये कुछ ऐसा हुआ है, जो बीते कुछ दशकों में पहले कभी नहीं हुआ। ये कुछ ऐसा हुआ है, जो आने वाली कई-कई शताब्दियों की एक नींव रख गया है।

प्रयागराज में जितनी कल्पना की गई थी, उससे कहीं अधिक संख्या में श्रद्धालु वहां

जिस तरह एकता के महाकुंभ में हर श्रद्धालु, चाहे वो गरीब हों या संपन्न हों, बाल हो या वृद्ध हो, देश से आया हो या विदेश से आया हो, गांव का हो या शहर का हो, पूर्व से हो या पश्चिम से हो, उत्तर से हो दक्षिण से हो, किसी भी जाति का हो, किसी भी विचारधारा का हो, सब एक महायज्ञ के लिए एकता के महाकुंभ में एक हो गए। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का ये चिर स्मरणीय दृश्य, करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया। अब इसी तरह हमें एक होकर विकसित भारत के महायज्ञ के लिए जुट जाना है

पहुंचे। इसकी एक वजह ये भी थी कि प्रशासन ने भी पुराने कुंभ के अनुभवों को देखते हुए ही अंदाजा लगाया था। लेकिन अमेरिका की आबादी के करीब दोगुने लोगों ने एकता के महाकुंभ में हिस्सा लिया, डुबकी लगाई।

आध्यात्मिक क्षेत्र में रिसर्च करने वाले लोग करोड़ों भारतवासियों के इस उत्साह पर अध्ययन करेंगे तो पाएंगे कि अपनी विरासत पर गौरव करने वाला भारत अब एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। मैं मानता हूं, ये युग परिवर्तन की वो आहट है, जो भारत का नया भविष्य लिखने जा रही है।

महाकुंभ की इस परंपरा से, हजारों वर्षों से भारत की राष्ट्रीय चेतना को बल मिलता रहा है। हर पूर्णकुंभ में समाज की उस समय की परिस्थितियों पर ऋषियों-मुनियों, विद्वत् जनों द्वारा 45 दिनों तक मंथन होता था। इस मंथन में देश को, समाज को नए दिशा-निर्देश मिलते थे।

इसके बाद हर 6 वर्ष में अर्धकुंभ में परिस्थितियों और दिशा-निर्देशों की समीक्षा होती थी। 12 पूर्णकुंभ होते-होते, यानी 144 साल के अंतराल पर जो दिशा-निर्देश, जो परंपराएं पुरानी पड़ चुकी होती थीं, उन्हें त्याग दिया जाता था, आधुनिकता को स्वीकार किया जाता था और युगानुकूल परिवर्तन करके नए सिरे से नई परंपराओं को गढ़ा जाता था।

144 वर्षों के बाद होने वाले महाकुंभ में ऋषियों-मुनियों द्वारा, उस समय-काल और परिस्थितियों को देखते हुए नए संदेश भी दिए जाते थे। अब इस बार 144 वर्षों के बाद पड़े इस तरह के पूर्ण महाकुंभ ने भी हमें भारत की विकासयात्रा के नए अध्याय का संदेश दिया है। ये संदेश है- विकसित भारत का।

जिस तरह एकता के महाकुंभ में हर श्रद्धालु, चाहे वो गरीब हों या संपन्न हों, बाल हो या वृद्ध हो, देश से आया हो या विदेश से आया हो, गांव का हो या शहर का हो, पूर्व से हो या पश्चिम से हो, उत्तर से हो दक्षिण से हो, किसी भी जाति का हो, किसी भी विचारधारा का हो, सब एक महायज्ञ के लिए एकता के महाकुंभ में एक हो गए। एक भारत-श्रेष्ठ भारत का ये चिर स्मरणीय दृश्य, करोड़ों देशवासियों में आत्मविश्वास के साक्षात्कार का महापर्व बन गया। अब इसी तरह हमें एक होकर विकसित भारत के महायज्ञ के लिए जुट जाना है।

आज मुझे वो प्रसंग भी याद आ रहा है जब बालक रूप में श्रीकृष्ण ने माता यशोदा को अपने मुख में ब्रह्मांड के दर्शन कराए थे। वैसे ही इस महाकुंभ में भारतवासियों ने और विश्व ने भारत के सामर्थ्य के विराट स्वरूप के दर्शन किए हैं। हमें अब इसी आत्मविश्वास से एक निष्ठ होकर, विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए आगे बढ़ना है।

भारत की ये एक ऐसी शक्ति है, जिसके बारे में भक्ति आंदोलन में हमारे संतों ने राष्ट्र के हर कोने में अलख जगाई थी। विवेकानंद हों या श्री ऑरोबिंदो हों, हर किसी ने हमें इसके बारे में जागरूक किया था। इसकी अनुभूति गांधी जी ने भी आजादी के आंदोलन के समय की थी। आजादी के बाद भारत की इस शक्ति के विराट स्वरूप को यदि हमने जाना होता, और इस शक्ति को सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की ओर मोड़ा होता, तो ये गुलामी के प्रभावों से बाहर निकलते भारत की बहुत बड़ी शक्ति बन जाती। लेकिन हम तब ये नहीं कर पाए। अब मुझे संतोष है, खुशी है कि जनता जनार्दन की यही शक्ति, विकसित भारत के लिए एकजुट हो रही है।

वेद से विवेकानंद तक और उपनिषद से उपग्रह तक, भारत की महान परंपराओं ने इस राष्ट्र को गढ़ा है। मेरी कामना है, एक नागरिक के नाते, अनन्य भक्ति भाव से, अपने पूर्वजों का, हमारे ऋषियों-मुनियों का पुण्य स्मरण करते हुए, एकता के महाकुंभ से हम नई प्रेरणा लेते हुए, नए संकल्पों को साथ लेकर चलें। हम एकता के महामंत्र को जीवन मंत्र बनाएं,

देश सेवा में ही देव सेवा, जीव सेवा में ही शिव सेवा के भाव से स्वयं को समर्पित करें।

जब मैं काशी चुनाव के लिए गया था, तो मेरे अंतरमन के भाव शब्दों में प्रकट हुए थे और मैंने कहा था— मां गंगा ने मुझे बुलाया है। इसमें एक दायित्व बोध भी था, हमारी मां स्वरूपा नदियों की पवित्रता को लेकर, स्वच्छता को लेकर। प्रयागराज में भी गंगा-यमुना-सरस्वती के संगम पर मेरा ये संकल्प और दृढ़ हुआ है। गंगा जी, यमुना जी, हमारी नदियों की स्वच्छता हमारी जीवन यात्रा से जुड़ी है। हमारी जिम्मेदारी बनती है कि नदी चाहे छोटी हो या बड़ी, हर नदी को जीवनदायिनी मां का प्रतिरूप मानते हुए हम अपने यहां सुविधा के अनुसार, नदी उत्सव जरूर मनाएं। ये एकता का महाकुंभ हमें इस बात की प्रेरणा देकर गया है कि हम अपनी नदियों को निरंतर स्वच्छ रखें, इस अभियान को निरंतर मजबूत करते रहें।

मैं जानता हूं, इतना विशाल आयोजन आसान नहीं था। मैं प्रार्थना करता हूं मां गंगा से...मां यमुना से...मां सरस्वती से...हे मां हमारी आराधना में कुछ कमी रह गई हो तो क्षमा करिएगा...। जनता जनार्दन, जो मेरे लिए ईश्वर का ही स्वरूप है, श्रद्धालुओं की सेवा में भी अगर हमसे कुछ कमी रह गई हो, तो मैं जनता जनार्दन का भी क्षमाप्रार्थी हूं।

श्रद्धा से भरे जो करोड़ों लोग प्रयाग पहुंचकर इस एकता के महाकुंभ का हिस्सा बने, उनकी सेवा का दायित्व भी श्रद्धा के सामर्थ्य से ही पूरा हुआ है। यूपी का सांसद होने के नाते मैं गर्व से कह सकता हूं कि योगी जी के नेतृत्व में शासन, प्रशासन और जनता ने मिलकर, इस एकता के महाकुंभ को सफल बनाया। केंद्र हो या राज्य हो, यहां ना कोई शासक था, ना कोई प्रशासक था, हर कोई श्रद्धा भाव से भरा सेवक था। हमारे सफाईकर्मी, हमारे पुलिसकर्मी, नाविक साथी, वाहन चालक, भोजन बनाने वाले, सभी ने पूरी श्रद्धा और सेवा भाव से निरंतर काम करके इस महाकुंभ को सफल बनाया। विशेषकर, प्रयागराज के निवासियों ने इन 45 दिनों में तमाम परेशानियों को उठाकर भी जिस तरह श्रद्धालुओं की सेवा की है, वह अतुलनीय है। मैं प्रयागराज के सभी निवासियों का, यूपी की जनता का आभार व्यक्त करता हूं, अभिनंदन करता हूं।

महाकुंभ के दृश्यों को देखकर, बहुत प्रारंभ से ही मेरे मन में जो भाव जगे, जो पिछले 45 दिनों में और अधिक पुष्ट हुए हैं, राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य को लेकर मेरी आस्था, अनेक गुना मजबूत हुई है।

140 करोड़ देशवासियों ने जिस तरह प्रयागराज में एकता के महाकुंभ को आज के विश्व की एक महान पहचान बना दिया, वो अद्भुत है।

देशवासियों के इस परिश्रम से, उनके प्रयास से, उनके संकल्प से अभीभूत मैं जल्द ही द्वादश ज्योतिर्लिंग में से प्रथम ज्योतिर्लिंग, श्री सोमनाथ के दर्शन करने जाऊंगा और श्रद्धा रूपी संकल्प पुष्प को समर्पित करते हुए हर भारतीय के लिए प्रार्थना करूंगा।

महाकुंभ का स्थूल स्वरूप महाशिवरात्रि को पूर्णता प्राप्त कर गया है। लेकिन मुझे विश्वास है, मां गंगा की अविरल धारा की तरह, महाकुंभ की आध्यात्मिक चेतना की धारा और एकता की धारा निरंतर बहती रहेगी। ■

(लेखक भारत के प्रधानमंत्री हैं)

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

राम रतन सिंह

श्री राम रतन सिंह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, जनसंघ एवं जनता पार्टी में सक्रिय रहे।

श्री सिंह को 1948 में हिसुआ चौक पर अन्य स्वयंसेवकों के साथ गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद वर्ष 1962 में उन्हें वारसलीगंज विधानसभा से भारतीय जनसंघ का उम्मीदवार बनाया गया। ऐसे ही 1975 के आपातकाल के दौरान उन्हें आंतरिक सुरक्षा अधिनियम (मीसा) के तहत 19 महीने तक केंद्रीय कारागार में रखा गया। 1977 में जनता पार्टी द्वारा उन्हें पुनः उम्मीदवार बनाया गया और वह विधानसभा के लिए निर्वाचित हुए। श्री सिंह संगठन की गतिविधियों में भी अपना योगदान देते रहे और उन्होंने दो बार जिला अध्यक्ष के तौर पर अपने दायित्व का निर्वहन किया। श्री राम रतन सिंह को कविता लिखने में भी रुचि थी। ■

स्व रामरतन सिंह

Date of Birth
12/02/1932

Gender
male

State
Bihar

District
Nawada

Town/City
वारसलीगंज, नवादा

Level
District

Post in Organisation
District President

Active years
1952-2002

इस मिलन में अनेक विविधताओं के बाद भी भारत की एकता प्रस्फुटित होती है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने 21 फरवरी, 2025 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में आयोजित 'काशी तमिल संगमम 3.0' कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए कहा कि पूर्व हो या पश्चिम, उत्तर हो या दक्षिण, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एकता की दिशा में अनेक प्रयास हो रहे हैं। काशी तमिल संगमम अपने आप में दो संस्कृतियों का मिलन है। इस मिलन में संस्कृतियों की अनेक विविधता होने के बाद भी भारत की एकता का मंत्र देखने को मिलता है। कार्यक्रम के दौरान मंच पर तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष श्री के. अन्नामलाई उपस्थित समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इससे पहले श्री नड्डा ने काशी विश्वनाथ की पूजा अर्चना और दर्शन किया।

श्री नड्डा ने कहा कि तमिलनाडु की भाषा और संस्कृति का काशी से बहुत पुराना संबंध है। दो संस्कृतियों के मिलन के लिए 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की दिशा में 'अनेकता में एकता' के मंत्र को सूत्रपात करते हुए यह तृतीय काशी तमिल संगमम आयोजित हो रहा है।

उन्होंने कहा कि माधवपुर मेले के रूप में गुजरात में मनाई जाने वाली रुक्मणी-कृष्णा यात्रा का रिश्ता अरुणाचल प्रदेश से रुक्मणी का कृष्ण की द्वारका से गुजरात तक जुड़ता है। इसी तरह से काशी-तमिल संगमम हो या सौराष्ट्र-तमिल संगमम, हर तरीके से भाषा और सांस्कृतिक विरासत को एकजुट करने का मंत्र प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 वर्षों में दिया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सभी भाषाओं की समृद्धता को देश ही नहीं बल्कि दुनिया के पटल पर भी रखा है। तमिल कवि व स्वतंत्रता सेनानी सुब्रमण्यम भारती ने काशी में अपनी शिक्षा गृहण की और अपना पूरा जीवन देश की स्वतंत्रता के लिए लगा दिया, अंग्रेजों से लड़ते हुए उन्होंने अपना बहुत समय व्यतीत किया। काशी से तमिल जाकर उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना योगदान किया। 15वीं शताब्दी में राजा पांडियन ने तमिलनाडु में शिव मंदिर बनाया, जो लोग उन दिनों बाबा के दर्शन के लिए काशी नहीं आ पाते थे, वो राजा पांडियन द्वारा बनाए गए मंदिर के दर्शन करते थे।

काशी और तमिलनाडु का गहरा संबंध

श्री नड्डा ने कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित अगस्त्य ऋषि पर आधारित प्रदर्शनी देखने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। काशी-तमिल संस्कृति में यह प्रदर्शित है कि अगस्त्य ऋषि का जन्म उत्तर प्रदेश के काशी में हुआ था, लेकिन उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन तमिलनाडु में बिताया। ऋषि अगस्त्य तमिल व्याकरण के रचयिता के रूप में प्रसिद्ध हैं और उनके जन्मदिवस को सिद्धा दिवस के रूप में मनाया जाता है। यही काशी और तमिलनाडु के गहरे संबंध को दर्शाता है। अगस्त्य ऋषि मंदिर में मौजूद महाकुंड भी इस संबंध को स्पष्ट करता है। जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने काशी-तमिल संगमम की शुरुआत की थी, तब उन्होंने विविधता में आत्मीयता को देखने पर जोर दिया था और यही आत्मीयता इस कार्यक्रम में मौजूद लोगों की उपस्थिति से झलकती है। आज 200 से अधिक तमिल भाई-बहनें, स्वयं सेविका समूह की बहनें, तमिलनाडु से काशी, अयोध्या और प्रयागराज के महाकुंभ में जाएंगी। यह भारत की अटूट संस्कृति को जोड़ने का कार्य करने वाला एक महत्वपूर्ण पहलू है।

दक्षिण को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा

श्री नड्डा ने कहा कि जब आजादी के बाद तमिलनाडु के सांस्कृतिक गुरुओं ने प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को एक सेंगोल भेंट किया था, जिसे पश्चिमी संस्कृति में सत्ता के हस्तांतरण का प्रतीक माना जाता है। उस समय, पश्चिमी देशों के राजनयिकों ने इसे पहले आनंद भवन में रखा, बाद में इसे इलाहाबाद के एक संग्रहालय में स्थानांतरित कर दिया गया। जब भारत की नई संसद इमारत बनी, तब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसे दक्षिण के चोल पंडितों द्वारा पूजन के बाद संसद भवन परिसर में स्थापित कराया। यह दर्शाता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दक्षिण को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। सेंगोल न्याय का प्रतीक है, और इसका संदेश है कि इसे रखने वाला संविधान के अनुरूप कार्य करे, कानून का पालन करे और निरंकुश न हो।

श्री नड्डा ने कहा कि आईआईटी मद्रास और बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी के योगदान से तमिल संगमम को नया रूप और शक्ति मिल रही है। काशी की जनता ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया, जिससे भारत की विविधता में एकता की भावना स्पष्ट होती है। इस आयोजन में भारत की समृद्ध संस्कृति, तमिल की प्राचीन भाषा और संस्कृत की गौरवशाली परंपरा का संगम देखने को मिल रहा है। ■

'जन मन' की समझ रखने वाले महान राजनेता थे अटल जी

हरीश द्विवेदी

अटल बिहारी वाजपेयी भारतीय राजनीति का वह नाम है, जो न केवल एक कुशल नेता थे, बल्कि जन मन की नब्ज को समझने वाले दूरदर्शी और संवेदनशील राजनेता भी थे। उनकी वाणी में कवित्व था, विचारों में गहराई और व्यक्तित्व में ऐसा आकर्षण, जिसने उन्हें जनता के दिलों में हमेशा के लिए अमर बना दिया। अटल जी राजनीति के मैदान में दृढ़ता और विनम्रता का अद्भुत संगम थे।

अटल जी राजनीति को केवल सत्ता का साधन नहीं मानते थे, बल्कि उसे समाजसेवा का माध्यम समझते थे। उनके भाषणों में लोगों की भावनाओं को छू लेने की क्षमता थी। जब वे संसद में बोलते थे, तो उनकी वाणी श्रोताओं के दिलों तक सीधे पहुंचती थी। उन्होंने हमेशा जनहित को प्राथमिकता दी और उनकी नीतियां गरीब, किसान, युवा और महिला सशक्तीकरण पर केंद्रित रहीं। अटल जी ने स्वतंत्रता के बाद एकछत्र राज करने वाली कांग्रेस के तिलिस्म को तोड़ते हुए दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश में नागरिकों को एक सशक्त राजनीतिक विकल्प प्रदान किया। उस समय, जब पूरे देश में कांग्रेस का दबदबा था, जनसंघ जैसे नए दल और उसका झंडा थामे युवा अटल जी के लिए राहें बेहद कठिन थीं।

1957 में जब अटल जी लोकसभा के लिए चुने गए, तब जनसंघ संख्याबल के आधार पर कांग्रेस के सामने कोई बड़ी चुनौती पेश नहीं कर पा रहा था। लेकिन अटल जी ने अपने विचारों और कुशल नेतृत्व से जनसंघ को वैचारिक रूप से इतना सशक्त बना दिया कि संख्याबल एक गौण मुद्दा बनकर रह गया। उनके भाषण और विचार कांग्रेस की सत्ता को चुनौती देते हुए उसकी नींव हिला देने वाले साबित होते थे।

प्रधानमंत्री के रूप में अटल जी ने कई ऐतिहासिक निर्णय लिए, जिन्होंने देश की दिशा और दशा को बदल दिया।

- **राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना (गोल्डन क्वाड्रिलेटरल):** यह योजना देश के आर्थिक और सामाजिक विकास में मील का पत्थर साबित हुई।
- **भारत के परमाणु परीक्षण (पोखरण-2):** 1998 में अटल जी के नेतृत्व में भारत ने खुद को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र के रूप में स्थापित किया, जिससे भारत की वैश्विक स्थिति मजबूत हुई।
- **कश्मीर मुद्दे पर शांति प्रयास:** अटल जी ने 'इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत' का मंत्र देते हुए कश्मीर समस्या का हल खोजने का प्रयास किया।
- **आईटी और टेलीकॉम सेक्टर में क्रांति:** उनके शासनकाल में आईटी क्षेत्र और दूरसंचार उद्योग ने उल्लेखनीय प्रगति की।

राष्ट्रहित और 'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र को अपने जीवन का उद्देश्य बनाने वाले अटल जी के लिए देश से बढ़कर कुछ भी नहीं था। अटल जी में वह शक्ति और कौशल था, जो समय की धारा को नई दिशा देने में सक्षम था। यह न केवल सत्य है बल्कि ऐतिहासिक तथ्य भी है कि अटल जी ने पारंपरिक रास्तों पर चलने की परंपरा को तोड़ते हुए सामाजिक और राजनीतिक जीवन में नई शुचिता और उच्च आदर्शों की स्थापना की। उनके बोले गए हर शब्द सीधे आम जनमानस के दिल में उतरते थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अटल जी के बारे में लिखा है कि अटल जी को यह गहराई से पता था कि कब क्या कहना है, कितना कहना है और कब मौन रहना है। उन्होंने इस कला में महारत हासिल की थी। जैसा कि किसी ने सही कहा है, 'कौन सी बात कहां कही जाती है! यह सलीका हो तो हर बात सुनी जाती है!' अटल जी ने इस पंक्ति को पूरी तरह से चरितार्थ किया।

अटल जी का विचार था, 'हम केवल अपने लिए न जीएं, बल्कि दूसरों के लिए भी जीएं। राष्ट्र के लिए अधिक से अधिक त्याग करें। यदि भारत की स्थिति कमजोर और दयनीय है, तो दुनिया हमारा सम्मान नहीं करेगी। लेकिन यदि हम हर दृष्टि से सशक्त और सुसंपन्न हैं, तो पूरी दुनिया हमारा सम्मान करेगी।' अटल जी के विचार और उनकी जीवनशैली आज भी हमें यह सिखाती है कि राष्ट्र के प्रति समर्पण और निःस्वार्थ सेवा से ही सच्ची सफलता और सम्मान प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अटल जी के बारे में लिखा है कि अटल जी को यह गहराई से पता था कि कब क्या कहना है, कितना कहना है और कब मौन रहना है। उन्होंने इस कला में महारत हासिल की थी। जैसा कि किसी ने सही कहा है, 'कौन सी बात कहां कही जाती है! यह सलीका हो तो हर बात सुनी जाती है!' अटल जी ने इस पंक्ति को पूरी तरह से चरितार्थ किया

अटल जी का कवि हृदय उनकी राजनीति में भी झलकता था। उनकी कविताएं आम आदमी की संवेदनाओं और देशभक्ति की गहरी भावना को प्रकट करती हैं। उनकी कविताएं न केवल शब्दों का संकलन थीं, बल्कि वे समाज के लिए एक प्रेरणा थीं। 'हार नहीं मानूंगा, रार नहीं ठानूंगा' जैसे उनके काव्यांश आज भी संघर्षरत व्यक्तियों को प्रेरित करते हैं।

अटल जी का व्यक्तित्व राजनीतिक कटुता से परे था। उनके राजनीतिक विरोधी भी उनकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सकते थे। संसद में उनके भाषणों में तार्किकता और हास्य का ऐसा मिश्रण होता था, जो श्रोताओं को सम्मोहित कर देता था। उनकी शालीनता और सौम्यता के कारण वे विरोधी दलों के नेताओं के लिए भी आदरणीय थे।

अटल जी ने हमेशा जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझा। उन्होंने गरीबों, किसानों और वंचित वर्गों के उत्थान के लिए काम किया। उनकी योजनाएं जैसे प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, ग्रामीण भारत को शहरी भारत से जोड़ने का एक ऐतिहासिक प्रयास था। अटल जी एक ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने राजनीति में नैतिकता और मूल्यों को सर्वोपरि रखा। उनके विचार, नीतियां और कार्य भारत के भविष्य के लिए हमेशा प्रेरणा स्रोत रहेंगे। उनकी दूरदर्शिता, देशभक्ति और कवित्वपूर्ण व्यक्तित्व ने उन्हें भारतीय राजनीति के महानतम नेताओं में शामिल किया।

अटल जी का विचार था, 'हम केवल अपने लिए न जीएं, बल्कि दूसरों के लिए भी जीएं। राष्ट्र के लिए अधिक से अधिक त्याग करें। यदि भारत की स्थिति कमजोर और दयनीय है, तो दुनिया हमारा सम्मान नहीं करेगी। लेकिन यदि हम हर दृष्टि से सशक्त और सुसंपन्न हैं, तो पूरी दुनिया हमारा सम्मान करेगी।' अटल जी के विचार और उनकी जीवनशैली आज भी हमें यह सिखाती है कि राष्ट्र के प्रति समर्पण और निःस्वार्थ सेवा से ही सच्ची सफलता और सम्मान प्राप्त किया जा सकता है

अटल जी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक युग थे। उनका जीवन इस बात का उदाहरण है कि एक राजनेता किस प्रकार जनसेवा, दूरदर्शिता और मानवीय संवेदनशीलता के साथ राजनीति को एक नई दिशा दे सकता है। उनकी स्मृतियां हमें सदैव प्रेरित करती रहेंगी। "मैं जी भर जिया, मैं मन से मरूं, लौटकर आऊंगा, कूच से क्यों डरूं।" अटल जी की कविताओं की तरह, उनका जीवन भी एक प्रेरक गीत है। ■

(लेखक भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय मंत्री और वर्तमान में भाजपा असम प्रदेश प्रभारी हैं)

केंद्रीय वित्त मंत्री का बजट 2025-26 पर लोकसभा में हुई परिचर्चा का जवाब

भारत की अर्थव्यवस्था स्थिर मूल्यों पर 6.4 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों पर 9.7 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद

बेरोजगारी दर 2017-18 में छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत हो गई

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने लोकसभा में 11 फरवरी, 2025 को केंद्रीय बजट 2025-26 पर चर्चा का उत्तर देते हुए माननीय सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह बजट वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच प्रस्तुत किया गया है, जो मध्य-पूर्व संकट एवं रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे भू-राजनीतिक तनावों के साथ-साथ वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में धीमी वृध्दि और उभरते बाजारों में उच्च मुद्रास्फीति से भी प्रभावित है। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीलेपन को रेखांकित करते हुए कहा कि इन कठिनाइयों के बावजूद राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने हमारे सकल घरेलू उत्पाद में 6.4 प्रतिशत और नॉमिनल टर्म में 9.7 प्रतिशत वृद्धि रहने का अनुमान लगाया गया है। हम अपने सुधी पाठकों के लिए उनके भाषण का सारांश यहां प्रकाशित कर रहे हैं:

केंद्रीय वित्त मंत्री तथा कारपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने चर्चा का उत्तर देते हुए कहा: मैं बहुत आभारी हूं कि माननीय सदस्यों ने बजट का गहन अध्ययन किया है। यह बजट अत्यधिक अनिश्चितताओं के समय में आया है। वैश्विक चिंता के मुद्दों का प्रभाव हमारे अपने बजट निर्माण पर भी पड़ता है। मध्य-पूर्व की स्थिति, रूस-यूक्रेन युद्ध, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में ठहराव और उभरते बाजारों में बढ़ती-घटती मुद्रास्फीति सभी विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति को खराब कर रहे हैं। पिछले 10 वर्षों में विश्व परिदृश्य लगभग 180 डिग्री बदल गया है, जिसके परिणामस्वरूप किसी भी देश के लिए अपना बजट बनाने में चुनौतियां अब पहले से कही अधिक जटिल है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार भारत की अर्थव्यवस्था के वास्तविक रूप में 6.4 प्रतिशत और वर्तमान मूल्यों के आधार पर 9.7 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। केंद्रीय बजट 2025-26 में वैश्विक संदर्भ में घरेलू अर्थव्यवस्था के सामने आने वाली इन तात्कालिक चुनौतियों का समाधान करने की कोशिश की गई है। यह भारत को विकसित भारत में बदलने के लिए भविष्य के मार्ग को भी प्रशस्त करता है।

इस बजट में हमारा मुख्य लक्ष्य विकास को गति देना, समावेशी विकास सुनिश्चित करना, निजी क्षेत्र के निवेश को एकीकृत करना और परिवारों की मानोभावनाओं में उल्लास भरना है। इसलिए गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी पर ध्यान केंद्रित करते हुए बजट निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों में नई योजनाओं और सुधारों को उद्घाटित करता है: ग्रामीण संपन्नता और अनुकूलन निर्माण में विकास इंजन के रूप में कृषि, एमएसएमई, निवेश और निर्यात को बढ़ावा देना।

घरेलू खपत को बढ़ावा और निर्यात संवर्धन

हम घरेलू खपत को बढ़ावा देने और निर्यात संवर्धन सहित भारत में विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए रोजगारोन्मुखी विकास भी चाहते हैं। सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को जारी रखना और निवेश बढ़ाने के लिए निजी क्षेत्र को फिर से जागृत करना और सबसे महत्वपूर्ण बात; लोगों में निवेश करना, अर्थव्यवस्था में निवेश करना और नवाचार के लिए निवेश करना वास्तव में ये वे बिंदु हैं, जिन पर केंद्रीय बजट ध्यान केंद्रित कर रहा है ताकि हम राजकोषीय अनिवार्यताओं के साथ राष्ट्रीय विकास की प्राथमिकताओं को संतुलित कर सकें।

2025-26 के बजट में प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये अनुमानित है, जबकि 2024-25 के संशोधित अनुमान में यह 13.18 लाख करोड़ रुपये था। यह दर्शाता है कि सरकार प्रभावी पूंजीगत व्यय के वित्तपोषण के लिए उधार लिए गए लगभग संपूर्ण संसाधनों का उपयोग कर रही है। वर्ष 2025-26 में क्षेत्रवार परिव्यय में कृषि और संबद्ध गतिविधियां शामिल हैं, जिन्हें 1.71 लाख करोड़ रुपये मिले हैं; ग्रामीण विकास को 2.67 लाख करोड़ रुपये; शहरी विकास और परिवहन को 6.45 लाख करोड़ रुपये; स्वास्थ्य और शिक्षा को 2.27 लाख करोड़ रुपये; रक्षा को 4.92 लाख करोड़ रुपये (जिसमें रक्षा पेंशन शामिल नहीं है) मिले हैं। वर्तमान बजट के ये आंकड़े दर्शाते हैं कि पूंजीगत परिव्यय में कोई कमी नहीं आई है। इसके विपरीत उनमें वृद्धि हुई है।

सभी योजनाओं के अंतर्गत राज्यों को संसाधनों का अंतरण वर्ष-दर-वर्ष बढ़ रहा है। इस बजट में यह 25.01 लाख करोड़ रुपये है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 2.1 लाख करोड़ रुपये अधिक है। इसलिए, राज्यों को दी जाने वाली धनराशि मे बिल्कुल कमी नहीं आई है।

12 लाख रुपये तक आय कर मुक्त

2023-24 में कर दरों को आसान बनाकर करदाताओं को राहत देना एक बड़ा कदम था। इस साल यह बढ़कर 12 लाख रुपये हो गई है। 2024-25 में हमने पीएसी द्वारा सुझाए गए एक प्रस्ताव के साथ मंत्रालयों को सशक्त बनाया। इसके परिणामस्वरूप मंत्रालयों में परिचालन दक्षता में सुधार के लिए वित्तीय डेलीगेशन में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

बढ़ती बेरोजगारी के संबंध में इस तथ्य पर प्रकाश डालना चाहती हूं कि 2023-24 के वार्षिक आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण के अनुसार श्रम बल भागीदारी दर 2017-18 में 49.8 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 60 प्रतिशत हो गई है, जो लगभग 10.3 प्रतिशत अंक की वृद्धि को दर्शाती है। श्रमिक जनसंख्या अनुपात 2017-18 में 46.8 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 58.2 प्रतिशत हो गया है, जो 11.4 प्रतिशत अक की वृद्धि दर्शाता है। बेरोजगारी दर 2017-18 में छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत हो गई है। रोजगार मेले के अंतर्गत केन्द्र सरकार की नौकरियों के लिए 9.25 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं।

उच्च मुद्रास्फीति, विशेषकर खाद्य मुद्रास्फीति के बारे में चिन्ताओं के बारे में मैं यह कहना चाहूंगी कि वास्तव में इसे इस सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता प्राप्त है। कुल मिलाकर खुदरा मुद्रास्फीति 2-6 प्रतिशत के अधिसूचित सीमा के भीतर है। मैं केवल इस तथ्य पर प्रकाश डालना चाहती हूं कि खाद्य मुद्रास्फीति, जो प्रतिकूल मौसम की स्थितियों या आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों के कारण प्रभावित हुई थी, पर ध्यान दिया गया है। हम अभी भी ऐसा करना जारी रखे हुए हैं। जलाशयों में जल स्तर की भी निगरानी की जा रही है। इसमें सुधार हुआ है ताकि रबी फसल उत्पादन के लिए सिंचाई के लिए जल पर्याप्तता सुनिश्चित हो सके।

2025-26 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.2 प्रतिशत से कम

भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी की नवीनतम बैठक के अनुसार, जो उन्होंने 7 फरवरी को आयोजित की थी, 2025-26 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति 4.2 प्रतिशत से कम अनुमानित है। संप्रग शासन के दौरान खाद्य मुद्रास्फीति 11 प्रतिशत तक पहुंच गई जिससे जनता को भारी कठिनाई हुई। 2014-2024 तक एनडीए शासन में इसे 5.3 प्रतिशत तक लाया गया था, जो आपूर्ति श्रृंखला सुधार और कृषि सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने का संकेत देता है। एनडीए 2014-2024 की तुलना में यूपीए-2 के तहत ईंधन मुद्रास्फीति 8.9 प्रतिशत थी, जो एनडीए के दौरान 4.4 प्रतिशत है जो वैश्विक मूल्य अस्थिरता के बेहतर प्रबंधन को उजागर करता है।

कुल घरेलू सक्रिय एलपीजी ग्राहक अप्रैल, 2014 में 14.52 करोड़ से बढ़कर दिसंबर, 2024 तक 32.89 करोड़ हो गए हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत प्रति व्यक्ति खपत की दर एक वर्ष में 44 सिलेंडर है। इस बजट में सरकार ने कृषि में बेहतर उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए है ताकि आपूर्ति संबंधी समस्याओं का बेहतर ढंग से निपटान किया जा सके।

बेरोजगारी दर 2017-18 में छह प्रतिशत से घटकर 2023-24 में 3.2 प्रतिशत हो गई है। रोजगार मेले के अंतर्गत केन्द्र सरकार की नौकरियों के लिए 9.25 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए गए हैं

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना

प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना-विकासशील कृषि जिला कार्यक्रम बहुत महत्वपूर्ण है जहां सौ कम उत्पादकता वाले कृषि जिले पर ध्यान दिया जाएगा। घरेलू बचत में गिरावट और घरेलू ऋण में वृद्धि जैसे अन्य मुद्दे भी हैं। मैं इस संबंध में कुछ तथ्य रखना चाहती हूं। घरेलू बचत में शुद्ध वित्तीय और फिजिकल सेविंग शामिल है, जो 2019-20 से 2022-23 तक 8.9 प्रतिशत सीएजीआर की चकवृद्धि औसत वृद्धि दर से बढ़ी है। परिवारों द्वारा वास्तविक परिसंपत्तियों में बचत का पुनः आवंटन किया जाता है।

कोविड के बाद की अवधि में घरेलू रियल एस्टेट निवेश में काफी वृद्धि हुई है। सकल घरेलू बचत में भौतिक परिसंपत्ति में बचत की हिस्सेदारी 2015-16 में 30.8 प्रतिशत से बढ़कर 2022-23 में 42.7 प्रतिशत हो गई है। इसलिए राष्ट्रीय लेखा साख्यिकी के अनुसार भौतिक परिसंपत्ति में घरेलू बचत मे 2019-20 से 2022-23 तक 15.6 प्रतिशत की चक्रवृद्धि औसत वृद्धि दर से वृद्धि हुई है। जहां तक सार्वजनिक व्यय में कमी का सवाल है, मैं कहना चाहती हूं कि 2025-26 में केंद्रीय बजट का कुल व्यय लगभग 50.65 लाख करोड़ रुपये होगा, जो 2024-25 के बजट अनुमान और 2024-25 के संशोधित अनुमान से लगभग 2.44 लाख करोड़ रुपये और 3.49 लाख करोड़ रुपये अधिक है।

2025-26 के लिए पूंजीगत व्यय 11.21 लाख करोड़ रुपये

पूंजीगत व्यय के संबंध में कई लोग सोचते हैं कि पूंजीगत व्यय में कमी आई है। ऐसा नहीं है। पिछली बार पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये था और अब यह 11.21 लाख करोड़ रुपये है। इसलिए, इसमें केवल वृद्धि हुई है और 2025-26 के लिए प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये आंका गया है।

राजकोषीय सुदृढ़ीकरण एक अन्य मुद्दा था जिस पर यह पूछा जा रहा था कि क्या यह सार्वजनिक व्यय और सामाजिक क्षेत्र के व्यय की कीमत पर किया जा रहा है। कहा गया कि शिक्षा बजट कम किया गया है और पीएम पोषण, जल जीवन मिशन, पीएम आवास योजना और पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति के बजट में कमी आई है। सामाजिक कल्याण के संबंध में बजट राशि 2024-2025 में 56,501 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-2026 में 60,052 करोड़ रुपये हो गई है। यह

कम नहीं हुआ है। शिक्षा की बात करें तो बजट राशि 2024-2025 में 1.26 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-2026 में 1.29 लाख करोड़ रुपये हो गई है। स्वास्थ्य की बात करें तो 2024-2025 में जो बजट 89,287 करोड़ रुपये था, वह 2025-2026 में 98,311 करोड़ रुपये हो गया है।

राज्यों को पूंजीगत व्यय के लिए दी जा रही राशि में प्रतिवर्ष निरंतर वृद्धि

मैंने पहले ही उल्लेख किया है कि पूंजीगत व्यय के लिए दी जा रही राशि में प्रतिवर्ष निरंतर वृद्धि हो रही है। ऐसा नहीं है कि राज्यों में परियोजनाएं नहीं चल रही है। पंजाब के लिए पिछले तीन वर्षों में 825 किमी लम्बे मार्ग के विकास के लिए 38 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं स्वीकृत की गई थीं। जिसकी राशि 22,160 करोड़ रुपये है। तेलंगाना के संबंध में वारंगल में काकतीय मेगा टेक्सटाइल पार्क को अगस्त, 2024 में पीएम मित्र मेगा टेक्सटाइल पार्क के रूप में घोषित किया गया था। राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास कार्यक्रम के तहत जहीराबाद में एक औद्योगिक नोड भी है।

केरल के लिये केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अगस्त, 2024 में पलक्कड़ में औद्योगिक नोड को मंजूरी दी। केरल में वर्ष 2014 से 1,300 किमी लम्बे राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है। कर्नाटक के सबंध में 2014 से कर्नाटक में 5,213 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है। 2014 से कर्नाटक में सात हवाई अड्डों का संचालन शुरू किया गया है। हमने वर्ष 2014 से कर्नाटक में 1,652 किलोमीटर नई रेल पटरियों का निर्माण किया है।

तमिलनाडु के सबंध में चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना चरण- II को केंद्रीय क्षेत्र परियोजना के तहत कुल 63,246 करोड़ रुपये के साथ अनुमोदित किया गया था, जिसमे से 65 प्रतिशत केंद्र सरकार का हिस्सा है। हिमाचल प्रदेश के सबंध में रोहतांग में दुनिया की सबसे लंबी राजमार्ग सुरंग, अटल सुरंग का निर्माण 2020 मे किया गया था। एम्स बिलासपुर का उद्घाटन 2022 में हुआ था। 2014 से हिमाचल प्रदेश में 1,247 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया गया है। झारखंड पूर्वोदय पहल की घोषणा केंद्रीय बजट 2024-25 में देश के पूर्वी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए की गई थी।

वित्त वर्ष 2025-2026 के लिए राजकोषीय घाटा 4.4 प्रतिशत

कर्ज को लेकर काफी चिंता है। मैं इसके बारे में बताना चाहूंगी। महामारी के कारण केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा 9.2 प्रतिशत तक पहुंच गया, जीडीपी के प्रतिशत के रूप में ऋण का स्तर 61.4 प्रतिशत था, लेकिन हमने राजकोषीय घाटे और सकल घरेलू उत्पाद के प्रतिशत के रूप में ऋण, दोनों को कम करने के लिए प्रयास किए हैं। तब से राजकोषीय घाटा और ऋण प्रतिशत कम हो गया है। अब हमारे पास राजकोषीय घाटे की संख्या 4.4 प्रतिशत है, जो पहले ही 2025-2026 के लिए रखी गयी है और सकल घरेलू उत्पाद के ऋण के संबंध में हमने कहा है कि हम इसे 2030-31 तक 49 से 51 प्रतिशत के बीच घटाकर नीचे लायेंगे, जो यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि देश का ऋण कम हो जाएगा।

मैं चाहती हूं कि सब यह समझें कि केन्द्रीय सरकार की देनदारी अधिकांशत घरेलू देनदारियां है जिनका एक छोटा सा हिस्सा है जो बही-मूल्य पर कुल देनदारियों का 34 प्रतिशत है जो बाह्य क्षेत्र से संबंधित है। इसलिए, यह एक नकारात्मक जोखिम है, क्योंकि यदि विदेशी ऋण की संख्या बड़ी है, तो चिंता होगी लेकिन हमारा विदेशी ऋण बड़ा नहीं है।

एमएसएमई क्षेत्र में 25 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम भारतीय अर्थव्यवस्था का मेरूदण्ड है। यह भारतीय अर्थव्यवस्था को चलाने वाले प्रमुख इंजनों में से एक है। एमएसएमई के क्षेत्र में 25 करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार मिल रहा है। सूक्ष्म उद्यमों के मामले में मैं इस तथ्य को उजागर करना चाहती हूं कि वर्तमान में इसके लिए 1 करोड़ रुपये का आवंटन है और संशोधित आवंटन 2.5 करोड़ रुपये है। सूक्ष्म उद्यमों का चालू कारबार 5 करोड़ रुपये है और हमने इसे संशोधित कर 10 करोड़ रुपये किया है। लघु उद्यमों के बारे में वर्तमान निवेश 10 करोड़ रुपये है और अब इसे पुनरीक्षित करके 25 करोड़ रुपये किया गया है और इसी तरह लघु उद्यम का वर्तमान कारोबार 50 करोड़ रुपये है और इसे बढ़ाकर 100 करोड़ रुपये किया गया है।

इसी तरह मध्यम उद्यम के लिए हमने इसे 50 करोड़ रुपये से संशोधित कर 125 करोड़ रुपये किया है और कारोबार 250 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 500 करोड़ रुपये कर दिया है। किसान क्रेडिट कार्ड के प्रति व्यक्ति ऋण की ऊपरी सीमा अब 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है, ताकि कहीं उन्हें बाध्य होकर बिचौलिए से उधारी न लेनी पड़े। इसी मंशा से हमने किसान क्रेडिट कार्ड लाया है। 1 अप्रैल, 2025 से आरम्भ होने वाली इस अल्पावधिक ऋण सुविधा से लगभग 8 करोड़ किसान लाभान्वित होंगे।

वर्ष 2024-25 से 3 वर्ष पूर्व देश के सकल घरेलू उत्पाद की औसत वृद्धि लगभग 8 प्रतिशत थी। गत 12 तिमाही में से केवल दो तिमाही में ही यह वृद्धि दर 5.4 प्रतिशत को छू चुकी है अथवा इससे नीचे रही है। मजबूत आर्थिक नींव के कारण त्वरित गति से पूर्वस्थिति बहाली हो रही है और हम ऐसे उपाय करेंगे, जिससे समयानुक्रम में हमारी अर्थव्यवस्था पिछले कुछ वर्ष की ही तरह सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होगी। हम निरंतर सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बने रहेंगे। ग्रामीण क्षेत्रों की उत्तम मांग से प्रेरित वर्ष 2024-25 में अंतिम निजी उपभोग व्यय में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि होने की प्रत्याशा है। ■

केंद्रीय वित्त मंत्री का बजट 2025-26 पर राज्यसभा में हुई परिचर्चा का जवाब

समावेशी विकास सुनिश्चित करना बजट का उद्देश्य

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने 13 फरवरी, 2025 को बजट 2025-26 पर राज्यसभा में हुई परिचर्चा का जवाब दिया। श्रीमती सीतारमण ने सदस्यों को बजट चर्चा में उनकी भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि बजट 2025-26 इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसका उद्देश्य विकास को गति देना, समावेशी विकास सुनिश्चित करना, निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहित करना, घरेलू भावना को सशक्त बनाना और उभरते भारतीय मध्यम वर्ग की खर्च करने की क्षमता को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ाना है

प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये का अनुमान

केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने अपने जवाब में प्रभावी पूंजीगत व्यय के महत्व पर प्रकाश डाला, जिसमें केंद्रीय बजट में मूल पूंजीगत व्यय और पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए राज्यों को अनुदान सहायता शामिल है। हालांकि, इन अनुदानों को राजस्व व्यय के रूप में वर्गीकृत किया गया है, वे पूंजी परिसंपत्ति सृजन में योगदान देते हैं। उन्होंने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रभावी पूंजीगत व्यय 15.48 लाख करोड़ रुपये का अनुमान लगाया गया है, जो 2024-25 के लिए संशोधित अनुमानों में 13.18 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। उन्होंने कहा कि यदि सार्वजनिक उद्यमों द्वारा किए गए निवेश को शामिल किया जाए, तो 2025-26 के लिए कुल पूंजीगत व्यय लगभग 19.80 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

श्रीमती सीतारमण ने वर्ष 2025-26 के लिए क्षेत्रवार परिव्यय को निम्नानुसार प्रस्तुत किया:

- कृषि और संबद्ध गतिविधियों: 1.71 लाख करोड़ रुपये
- ग्रामीण विकास: 2.67 लाख करोड़ रुपये
- शहरी विकास और परिवहन: 6.45 लाख करोड़ रुपये
- स्वास्थ्य और शिक्षा: 2.27 लाख करोड़ रुपये
- रक्षा व्यय (रक्षा पेंशन को छोड़कर): 4.92 लाख करोड़ रुपये

उन्होंने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय आवंटन में कोई कमी नहीं की गई है। श्रीमती सीतारमण ने इस बात पर जोर दिया कि राज्यों को आवंटित धन में कमी नहीं की गई है, बल्कि इसमें पर्याप्त वृद्धि हुई है।

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सरकार ने राज्यों के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत किया, न केवल वित्त आयोग की सिफारिशों के कारण, बल्कि एक स्वतंत्र नीति निर्णय के रूप में। श्रीमती सीतारमण ने कहा कि वर्ष 2020-21 में सरकार ने राज्यों को 50 वर्ष की ब्याज-मुक्त पूंजी सहायता शुरू की, जिसकी प्रारंभिक राशि 12,000 करोड़ रुपये थी। इस पहल में किसी भी राज्य को बाहर नहीं रखा गया, जिससे सभी राज्यों को लाभ मिला। उन्होंने बताया कि 2020-21 में 12,000 करोड़ रुपये का यह आवंटन बढ़कर वर्तमान वर्ष के बजट में 1,50,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि बजट निर्माण में राजकोषीय पारदर्शिता और प्रौद्योगिकी अपनाने को प्राथमिकता दी गई। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार ने लंबे समय से बकाया देनदारियों का निपटारा किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि केंद्रीय करों के हस्तांतरण के तहत राज्यों को देय 81,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि वर्षों से लंबित पड़ी थी। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि एक पूर्व मुख्यमंत्री के रूप में उन्होंने राज्यों की समस्याओं को समझा और इन बकायों को समाप्त करने पर जोर दिया।

श्रीमती सीतारमण ने भारतीय खाद्य निगम (FCI) और ऑफ-बजट उधार से संबंधित वित्तीय दायित्वों की चिंताओं को संबोधित करते हुए सरकार के पारदर्शिता और राजकोषीय जिम्मेदारी के प्रयासों को उजागर किया। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार ने एफसीआई की उन देनदारियों को शामिल किया, जो पहले बजट के बाहर थी और राज्यों के बकायों को चुकाने के बाद शहरी विकास मंत्रालय से शहरी आवास के लिए 33,000 करोड़ रुपये के ऑफ-बजट उधार को भी बजट में लाया गया। 2025-26 के लिए खाद्य सब्सिडी पर उन्होंने स्पष्ट किया कि 2023-24 में एफसीआई में सरकार के 11,000 करोड़ रुपये की इक्विटी निवेश के कारण लागत में कमी हुई, जिससे एफसीआई के अल्पकालिक उधार घट गए और खाद्य सब्सिडी प्रावधान को यथार्थवादी बनाया गया।

मुख्य कर सुधार और बजटीय उपाय

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि करदाताओं को राहत प्रदान करने के उद्देश्य से नई कर व्यवस्था पेश की गई थी। इसे डिफॉल्ट व्यवस्था बनाया गया ताकि व्यक्ति स्वचालित रूप से इसका हिस्सा बन जाएं, जब तक कि ये विशेष रूप से पुरानी व्यवस्था के अंतर्गत छूट का विकल्प नहीं चुनते। हालांकि, यदि कोई व्यक्ति पुरानी कर व्यवस्था को अधिक लाभकारी मानता है, तो उसके पास उसमें बने रहने का विकल्प उपलब्ध है। उन्होंने उल्लेख किया कि उस वित्तीय वर्ष में कर मुक्त आय

सीमा 7 लाख रुपये तक बढ़ाई गई थी, जिससे इस राशि तक कमाने वाले व्यक्तियों को कोई कर नहीं देना पड़ा। श्रीमती सीतारमण ने आगे बताया कि अब यह सीमा बढ़ाकर 12 लाख रुपये कर दी गई है।

राजकोषीय सुधार और ऋण समेकन

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने कहा कि पेश किए गए प्रमुख सुधारों में से एक अल्पकालिक ट्रेजरी बिल (टी-बिल) उधारी में भारी कमी थी। इस उपाय से वित्तीय प्रणाली में अधिक तरलता सुनिश्चित हुई, जिससे निजी उधारकर्ताओं को सरकारी हस्तक्षेप के कारण बाजार में कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ा। अल्पकालिक टी-बिल उधारी में कमी करके सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि वह निजी क्षेत्र की उधारी को प्रभावित न करे।

उन्होंने उल्लेख किया कि 88,000 करोड़ रुपये मूल्य के सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) की पुनर्खरीद की गई। इस एकल कदम से लगभग 5,000 करोड़ रुपये की ब्याज बचत हुई और साथ ही प्रणाली में तरलता का संचार भी हुआ।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि जुलाई बजट में स्पष्ट रूप से ऋण समेकन का मार्ग प्रस्तुत किया गया था। इस रणनीति का उद्देश्य सरकारी ऋण को वर्तमान स्तर, जो जीडीपी का लगभग 58% है, से घटाकर 31 मार्च, 2031 तक लगभग 50% तक लाना है। इस योजना का विस्तृत विवरण जुलाई बजट के साथ प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में दिया गया था।

खाद्य मुद्रास्फीति का प्रबंधन

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने उच्च खाद्य मुद्रास्फीति पर चिंताओं का समाधान करते हुए बताया कि जनवरी, 2025 के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) मुद्रास्फीति 5.22% से घटकर 4.31% पर आ गई है, जो इसे भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के 4% के लक्ष्य के करीब लाती है। यह गिरावट टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों में तेज सुधार और टैरिफ मुक्त आयात के माध्यम से दालों की मुद्रास्फीति में कमी के कारण हुई है।

उन्होंने 7 फरवरी को आरबीआई की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि 2025-26 के लिए सीपीआई मुद्रास्फीति का अनुमान 4.2% है, जो पहले की तुलना में कम है।

श्रीमती निर्मला सीतारमण ने बताया कि सरकार ने कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से 'प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना' शुरू की है, जिससे अधिक उत्पादन बाजार में आ सके। उन्होंने आगे कहा कि कई पहल शुरू की गई है, जिनमें घरेलू दलहन उत्पादन को बढ़ाने के लिए आत्मनिर्भरता योजना, सब्जियों और फलों की आपूर्ति बढ़ाने के लिए एक विशेष कार्यक्रम और कृषि उत्पादन को बढ़ाने के लिए उच्च उपज बीजों के लिए राष्ट्रीय मिशन शामिल है।

उन्होंने सरकार की भारत चना दाल और भारत आटा के रूप में सब्सिडी वाले दाल, चावल और आटे की बिक्री की पहल का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि चरण 1 और चरण 2 के बीच 13.8 लाख टन भारत चना दाल, 160 लाख टन भारत आटा और 15.3 लाख टन चावल के साथ-साथ चना दाल, मूंग दाल और अन्य उत्पादों की बिक्री की गई। श्रीमती सीतारमण ने आश्वासन दिया कि सरकार सब्सिडी वाले गेहूं, चावल और चना दाल के समर्थन को जारी रखते हुए यह सुनिश्चित करेगी कि कीमतें आम नागरिकों के लिए बोझ न बनें।

वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण ने भारतीय रुपये के अवमूल्यन पर चिंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इसकी विनिमय दर कई कारकों से प्रभावित होती है, जिनमें अमेरिकी डॉलर की गतिशीलता, पूंजी प्रवाह, ब्याज दरें, कच्चे तेल की कीमतें और चालू खाता घाटा शामिल हैं। वर्ष 2024 की चौथी तिमाही में वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण मुद्रा अस्थिरता देखी गई, जिसका प्रभाव केवल भारत ही नहीं, बल्कि कई प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर भी पड़ा।

उन्होंने बताया कि अक्टूबर, 2024 से जनवरी, 2025 के बीच अमेरिकी डॉलर सूचकांक में 6.5% की वृद्धि हुई, जिससे कोरियाई वोन (8.1%), इंडोनेशियाई रुपिया (6.4%) और मलेशियाई रिंगिट (5.9%) सहित विभिन्न एशियाई मुद्राओं का अवमूल्यन हुआ। इसी अवधि में जापानी येन, ब्रिटिश पाउंड और यूरो जैसी जी-10 मुद्राओं में भी 5.5% से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

खाद्य और उर्वरक अनुदान

श्रीमती सीतारमण ने स्पष्ट किया कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उर्वरक अनुदान को 1.64 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.68 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इसमें कोई कमी नहीं की गई है। उन्होंने पूर्वोदय पहल के अंतर्गत पूर्वांचल क्षेत्र में पहले से बंद पड़े तीन यूरिया कारखानों के पुनरुद्धार पर प्रकाश डाला, जो सभी पूर्वी क्षेत्र में स्थित है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मौजूदा बजट के तहत असम में नामरूप संयंत्र को बहाल करने की घोषणा की और बताया कि इससे 12.7 लाख मीट्रिक टन यूरिया का उत्पादन हो सकेगा, जिससे उर्वरक की उपलब्धता बढ़ेगी और आयात में कमी आएगी।

श्रीमती निर्मला सीतारमण ने एमएसएमई क्षेत्र के प्रति सरकार के प्रयासों को लेकर उठी चिंताओं का समाधान करते हुए कहा कि पिछले तीन बजटों, जिनमें वर्तमान बजट भी शामिल है, में एमएसएमई क्षेत्र को तेज विकास के लिए सशक्त बनाने हेतु महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि ऋण सीमा और निकास तंत्र को मजबूत किया गया है, जिससे सूक्ष्म और लघु उद्यमों को अधिक ऋण गारंटी कवरेज प्राप्त हुआ है।

उन्होंने राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन पर ध्यान केंद्रित करने और इलेक्ट्रिक वाहन और मोबाइल उत्पादन को प्रोत्साहित करने की बात भी कही। इसके अतिरिक्त, कई महत्वपूर्ण खनिजों के आयात को सक्षम बनाया गया है। उन्होंने दोहराया कि जुलाई, 2024 के बजट में उठाए गए कदमों को वर्तमान बजट में भी जारी रखा गया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि एमएसएमई क्षेत्र बजट निर्माण में हमेशा से प्राथमिकता में रहा है। ■

द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी की स्थापना पर हुआ समझौता

भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर कतर राज्य के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमद अल-थानी ने 17-18 फरवरी 2025 तक भारत की राजकीय यात्रा की। महामहिम अमीर के साथ मंत्रियों, अधिकारियों और व्यापार जगत के प्रतिनिधियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आया था। महामहिम अमीर की यह भारत की दूसरी राजकीय यात्रा थी।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 18 फरवरी को हैदराबाद हाउस में महामहिम अमीर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों राजनेताओं ने ऐतिहासिक व्यापारिक संबंधों, लोगों के बीच गहरे आपसी संबंधों और दोनों देशों के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंधों को याद किया। उन्होंने दोनों देशों के बीच बहुआयामी संबंधों को और अधिक विस्तारित व गहरा करने की इच्छा व्यक्त की। इस संदर्भ में उन्होंने दोनों पक्षों के बीच 'द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी स्थापना समझौते' पर हस्ताक्षर होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

बहुआयामी द्विपक्षीय संबंधों को और भी प्रगाढ़ करने हेतु किए गए निम्न समझौते

- द्विपक्षीय रणनीतिक भागीदारी की स्थापना पर समझौता
- आय पर टैक्स और उसके प्रोटोकॉल के संबंध में दोहरे कराधान से बचने और राजकोषीय चोरी की रोकथाम के लिए संशोधित समझौता
- वित्तीय और आर्थिक सहयोग पर भारत के वित्त मंत्रालय और कतर के वित्त मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन
- युवा और खेल के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन
- दस्तावेजों और अभिलेखागार के क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन
- इन्वेस्ट इंडिया और इन्वेस्ट कतर के बीच समझौता ज्ञापन
- भारतीय उद्योग परिसंघ और कतर व्यवसायी संघ के बीच समझौता ज्ञापन

नव स्थापित रणनीतिक साझेदारी के आलोक में दोनों पक्षों ने राजनीतिक, व्यापार, निवेश, सुरक्षा, ऊर्जा, संस्कृति, शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार, स्थायित्व और लोगों के आपसी संबंधों सहित सभी क्षेत्रों में नियमित और संरचना आधारित सहयोग के माध्यम से द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। दोनों पक्षों ने दोहरे कराधान से बचने के लिए संशोधित समझौते पर हस्ताक्षर होने पर प्रसन्नता व्यक्त की और भारत-कतर द्विपक्षीय निवेश संधि पर बातचीत में तेजी लाने पर भी सहमति व्यक्त की।

दोनों पक्षों ने दोनों देशों के बीच व्यापार को बढ़ाने और विविधतापूर्ण बनाने के लिए रणनीतियों का पता लगाने तथा वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार से संबंधित बाजार पहुंच के मुद्दों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की। इस संबंध में दोनों पक्ष द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते करने की संभावना का पता लगाने पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य निर्धारित किया।

कतर और भारत के बीच मजबूत रणनीतिक संबंध हैं और यह देखते हुए कि भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, भारतीय पक्ष ने कतर निवेश प्राधिकरण (क्यूआईए) द्वारा भारत में एक कार्यालय खोलने के निर्णय का स्वागत किया।

भारत में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश

कतर पक्ष ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और विदेशी संस्थागत निवेश के लिए अनुकूल माहौल बनाने में भारत द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना की तथा अवसंरचना, प्रौद्योगिकी, विनिर्माण, खाद्य सुरक्षा, लॉजिस्टिक्स, आतिथ्य और आपसी हित के अन्य क्षेत्रों सहित विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के अवसरों का पता लगाने में रुचि व्यक्त की। इस संबंध में कतर पक्ष ने भारत में 10 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता की घोषणा की।

दोनों पक्षों ने कतर में क्यूएनबी के बिक्री केन्द्रों में भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के संचालन का स्वागत किया और कतर में यूपीआई स्वीकृति की राष्ट्रव्यापी शुरुआत को लागू करने की आशा व्यक्त की। वे अपनी-अपनी मुद्राओं में द्विपक्षीय व्यापार के निपटान की संभावना तलाशने पर सहमत हुए। गिफ्ट सिटी में कार्यालय स्थापित करके भारत में क्यूएनबी के विस्तार का भी स्वागत किया गया।

दोनों राजनेताओं ने सीमा पार आतंकवाद सहित आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों की स्पष्ट रूप से निंदा की तथा द्विपक्षीय और बहुपक्षीय तंत्रों के माध्यम से इस खतरे का मुकाबला करने में सहयोग करने पर सहमति व्यक्त की। वे सूचना और खुफिया जानकारी साझा करने, अनुभवों, सर्वोत्तम प्रथाओं और प्रौद्योगिकियों के विकास और आदान-प्रदान, क्षमता निर्माण में सहयोग बढ़ाने तथा कानून प्रवर्तन, धन शोधन रोधी, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध और अन्य अंतरराष्ट्रीय अपराधों में सहयोग को मजबूत करने पर सहमत हुए। ■

हर बच्चा विशिष्ट है
उनके सपनों को जानें: नरेन्द्र मोदी

परीक्षा पे चर्चा 2025

छात्रों की तुलना करने से बचें, छात्रों की सबके सामने आलोचना न करें, उन्हें प्रोत्साहित करें और प्रेरित करने के लिए उनकी प्रशंसा करें

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 फरवरी को नई दिल्ली की सुंदर नर्सरी में परीक्षा पे चर्चा के 8वें आयोजन के दौरान छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने देशभर के छात्रों के साथ अनौपचारिक बातचीत में कई विषयों पर चर्चा की। उन्होंने तिल से बनी मिठाइयां वितरित कीं, जो सर्दियों के दौरान शरीर को गर्म रखने के लिए पारंपरिक रूप से परोसी जाती हैं।

पोषण से समृद्धि

श्री मोदी ने पोषण के विषय पर कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को 'अंतरराष्ट्रीय बाजरा वर्ष' घोषित किया है और भारत के एक प्रस्ताव पर इसे दुनिया भर में प्रचारित किया है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार ने दृढ़ता से आग्रह किया है कि पोषण के बारे में बहुत जागरूकता होनी चाहिए, क्योंकि उचित पोषण कई बीमारियों को रोकने में मदद करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में बाजरा को सुपरफूड के रूप में जाना जाता है। श्री मोदी ने बच्चों से मौसमी फल खाने का आग्रह किया। उन्होंने बच्चों को जंक फूड, तैलीय भोजन और मैदा से बने खाद्य पदार्थों से बचने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य पर चर्चा करते हुए इस बात पर जोर दिया कि बीमार नहीं होने का अर्थ यह नहीं है कि व्यक्ति स्वस्थ है। उन्होंने बच्चों से स्वास्थ्य पर ध्यान देने का आग्रह करते हुए कहा कि शरीर की फिटनेस और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त मात्रा में नींद लेना महत्वपूर्ण है।

दबाव पर काबू पाना

श्री मोदी ने दबाव पर काबू पाने के विषय पर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे समाज ने इस विचार को गहराई से समाहित कर लिया है कि 10वीं या 12वीं जैसी स्कूली परीक्षाओं में अधिक अंक नहीं लाना जीवन बर्बाद करना है। उन्होंने कहा कि इससे बच्चों पर दबाव और बढ़ जाता है। क्रिकेट मैच में गेंद पर बल्लेबाज की एकाग्रता का हवाला देते हुए श्री मोदी ने बच्चों को बल्लेबाज की तरह बाहरी दबाव से बचने और केवल अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे उन्हें दबाव से उबरने में मदद मिलेगी।

नेतृत्व की कला

श्री मोदी ने एक छात्र द्वारा प्रभावी नेतृत्व पर सुझाव साझा करने के लिए पूछे जाने पर कहा कि बाहरी दिखावट किसी नेता को परिभाषित नहीं करती है, बल्कि एक नेता वह होता है जो दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित करके नेतृत्व करता है। इसे प्राप्त करने के लिए, उन्होंने कहा कि व्यक्तियों को खुद को बदलना चाहिए और उनके व्यवहार में यह बदलाव दिखना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'नेतृत्व थोपा नहीं जाता है, बल्कि आपके आस-पास के लोगों द्वारा स्वीकार किया जाता है।' उन्होंने कहा कि दूसरों को उपदेश देने से स्वीकृति नहीं मिलती; बल्कि व्यक्ति का व्यवहार ही स्वीकार्य होता है। श्री मोदी ने जोर दिया कि नेतृत्व के लिए टीमवर्क और धैर्य आवश्यक है।

किताबों से परे – समग्र विकास

शौक और पढ़ाई के बीच संतुलन बनाने के विषय पर, जबकि आम धारणा यह है कि शिक्षा ही सफलता का एकमात्र रास्ता है, प्रधानमंत्री ने कहा कि छात्र रोबोट नहीं हैं और उनका समग्र विकास काफी महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल अगली कक्षा में आगे बढ़ने के लिए नहीं है, बल्कि व्यापक व्यक्तिगत विकास के लिए है। अतीत पर विचार करते हुए श्री मोदी इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे बागवानी जैसे विषय शुरुआती स्कूली शिक्षा के पाठ अप्रासंगिक लग सकते हैं, लेकिन वे समग्र विकास में योगदान करते हैं। प्रधानमंत्री ने माता-पिता और शिक्षकों से आग्रह किया

कि वे बच्चों को कठोर शैक्षणिक माहौल में सीमित न रखें, क्योंकि इससे उनका विकास रुक जाता है।

अपने समय पर नियंत्रण रखें, अपने जीवन पर नियंत्रण रखें

श्री मोदी ने एक छात्र द्वारा समय प्रबंधन के बारे में पूछे जाने पर कहा कि हर किसी के पास दिन में 24 घंटे होते हैं, फिर भी कुछ लोग बहुत कुछ हासिल कर लेते हैं जबकि अन्य को लगता है कि कुछ हासिल नहीं हुआ। उन्होंने समय प्रबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बहुत से लोगों को यह समझ नहीं है कि अपने समय का प्रभावी ढंग से उपयोग कैसे किया जाए। प्रधानमंत्री ने समय का ध्यान रखने, विशिष्ट कार्य निर्धारित करने और प्रतिदिन प्रगति की समीक्षा करने की सलाह दी। उन्होंने चुनौतीपूर्ण विषयों से बचने के बजाय उन पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर भी जोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि फोन सहित इसी तरह की अन्य वस्तुएं ध्यान केंद्रित करने और शैक्षणिक प्रदर्शन में बाधा डालते हैं।

अपनी रुचियों का पालन करें

श्री मोदी ने बच्चों पर कुछ खास करियर चुनने के लिए माता-पिता के दबाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि माता-पिता की अपेक्षाएं अक्सर अपने बच्चों की दूसरों से तुलना करने से उत्पन्न होती हैं, जो उनके अहम और सामाजिक स्थिति को ठेस पहुंचा सकती हैं। उन्होंने माता-पिता को सलाह दी कि वे अपने बच्चों को हर जगह मॉडल के रूप में न दिखाएं, बल्कि उनकी खूबियों को प्यार करें और स्वीकार करें।

प्रधानमंत्री ने माता-पिता को अपने बच्चों की खूबियों को पहचानने और उन्हें विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया, भले ही वे अकादमिक रूप से इच्छुक न हों। उन्होंने कौशल विकास के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि अगर वे प्रधानमंत्री नहीं होते तो वे कौशल विकास विभाग चुनते। श्री मोदी ने कहा कि अपने बच्चों की क्षमताओं पर ध्यान केंद्रित करके माता-पिता दबाव को कम कर सकते हैं और उन्हें आगे बढ़ने में मदद कर सकते हैं।

हर बच्चा विशिष्ट है

परीक्षाओं के दौरान अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि यह प्राथमिक मुद्दा छात्रों के साथ कम और उनके परिवारों के साथ अधिक है। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कई माता-पिता अपने बच्चों पर इंजीनियरिंग या चिकित्सा जैसे विशिष्ट करियर को अपनाने के लिए दबाव डालते हैं, जबकि बच्चे की रुचि कला जैसे क्षेत्रों में होती है। यह निरंतर दबाव बच्चे के जीवन को तनावपूर्ण बना देता है। उन्होंने माता-पिता से अपने बच्चों की क्षमताओं और रुचियों को समझने और पहचानने, उनकी प्रगति की निगरानी करने और सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उदाहरण के लिए यदि कोई बच्चा खेलों में रुचि दिखाता है, तो माता-पिता को उन्हें खेल कार्यक्रम देखने के लिए ले जाकर प्रोत्साहित और प्रेरित करना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने शिक्षकों को संबोधित करते हुए ऐसा माहौल बनाने से बचने का आग्रह किया, जहां केवल शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों पर ध्यान दिया जाता है, जबकि अन्य को नजरअंदाज कर दिया जाता है। उन्होंने छात्रों की तुलना न करने और प्रत्येक बच्चे की अनूठी क्षमताओं को प्रोत्साहित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को सुधार के लिए प्रयास करने और अच्छा प्रदर्शन करने की याद दिलाई, लेकिन यह भी स्वीकार किया कि जीवन में पढ़ाई ही सब कुछ नहीं है।

असफलताओं को अपना शिक्षक बनाएं

श्री मोदी ने, असफलता से कैसे उबरें, विषय पर कहा कि भले ही 30-40 प्रतिशत छात्र अपनी 10वीं या 12वीं कक्षा में असफल हो जाएं, लेकिन जीवन समाप्त नहीं होता। उन्होंने असफलताओं को अपना शिक्षक बनाने की सलाह देते हुए क्रिकेट का उदाहरण दिया, जहां खिलाड़ी अपनी गलतियों की समीक्षा करते हैं और सुधार के लिए प्रयास करते हैं। प्रधानमंत्री ने जीवन को केवल परीक्षाओं के नजरिए से नहीं, बल्कि समग्र रूप से देखने का आग्रह किया। उन्होंने केवल शैक्षणिक उपलब्धियों पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय इन शक्तियों पर काम करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय में सफलता की कहानी किसी व्यक्ति के जीवन और योग्यता से ही तय होती है, न कि केवल अकादमिक अंकों से।

परीक्षा के दबाव से निपटना

इस दौरान छात्रों द्वारा समय पर अपने परीक्षा पेपर पूर्ण नहीं करने की आम समस्या पर चर्चा की गई, जिससे तनाव और दबाव पैदा होता है। प्रधानमंत्री ने इससे निपटने के लिए संक्षिप्त उत्तर लिखने और समय का प्रभावी ढंग से प्रबंधन करने के तरीके सीखने के लिए पिछली परीक्षा के प्रश्नपत्रों का गहन अभ्यास करने की सलाह दी। उन्होंने उन प्रश्नों पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर प्रकाश डाला, जिनमें अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है और कठिन या अपरिचित प्रश्नों पर बहुत अधिक समय खर्च नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नियमित अभ्यास से परीक्षा के दौरान बेहतर समय प्रबंधन में मदद मिलती है।

प्रकृति की देखभाल

प्रधानमंत्री ने जलवायु परिवर्तन पर बात की और इसके बारे में गंभीरता से विचार करने के लिए युवा पीढ़ी की सराहना की। उन्होंने कहा कि दुनिया में बहुत सी विकासात्मक प्रक्रियाओं ने शोषण की संस्कृति को जन्म दिया है, जहां लोग पर्यावरण संरक्षण की तुलना में व्यक्तिगत लाभ को प्राथमिकता देते हैं। श्री मोदी ने मिशन लाइफ (पर्यावरण के लिए जीवनशैली) का उल्लेख किया, जो प्रकृति की रक्षा और पोषण करने वाली जीवनशैली को बढ़ावा देता है। उन्होंने भारत में सांस्कृतिक विधियों को साझा किया, जैसे धरती माता से क्षमा मांगना और पेड़ों और नदियों की पूजा करना, जो प्रकृति के प्रति सम्मान प्रदर्शित करते हैं। ■

बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 उपग्रह प्रक्षेपित किए गए हैं: नरेन्द्र मोदी

प्रक्षेपण यान का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो, मंगलयान हो या आदित्य वन या फिर एक ही रॉकेट से एक ही बार में 104 उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने का अभूतपूर्व मिशन हो, इसरो की सफलताओं का दायरा काफी बड़ा रहा है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के 100वें प्रक्षेपण मिशन की सफलता को रेखांकित करते हुए 23 फरवरी को देश के युवाओं से 'एक दिन वैज्ञानिक' के रूप में बिताने का आह्वान किया, ताकि विज्ञान के प्रति उनकी जिज्ञासा और बढ़े।

आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 119वीं कड़ी में श्री मोदी ने इसरो के 100वें प्रक्षेपण मिशन की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह केवल एक संख्या भर नहीं है, बल्कि इससे अंतरिक्ष विज्ञान में नित नयी ऊंचाइयों को छूने के भारत के संकल्प का भी पता चलता है।

उन्होंने क्रिकेट का जिक्र करते हुए कहा कि इस खेल में शतक के रोमांच से सब भलीभांति परिचित हैं लेकिन अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत को मिली सफलता उससे कहीं ज्यादा रोमांचक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि समय के साथ अंतरिक्ष की इस उड़ान में भारत की सफलताओं की सूची काफी लंबी होती चली गई।

उन्होंने कहा कि प्रक्षेपण यान का निर्माण हो, चंद्रयान की सफलता हो, मंगलयान हो या आदित्य वन या फिर एक ही रॉकेट से एक ही बार में 104 उपग्रहों को अंतरिक्ष में भेजने का अभूतपूर्व मिशन हो, इसरो की सफलताओं का दायरा काफी बड़ा रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि बीते 10 वर्षों में ही करीब 460 उपग्रह प्रक्षेपित किए गए हैं और इनमें दूसरे देशों के भी बहुत सारे उपग्रह भेजे गए हैं। उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी की भी सराहना की।

श्री मोदी ने कहा कि उन्हें यह देखकर भी बहुत खुशी होती है कि आज अंतरिक्ष क्षेत्र युवाओं के लिए बहुत प्रिय बन गया है। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले किसने सोचा होगा कि इस क्षेत्र में स्टार्टअप और निजी क्षेत्र की अंतरिक्ष कंपनियों की संख्या सैकड़ों में हो जाएगी।

हमारे जो युवा जीवन में कुछ नया करना चाहते हैं, उनके लिए अंतरिक्ष क्षेत्र एक बेहतरीन विकल्प बना है। बच्चों और युवाओं का विज्ञान में लगाव बहुत मायने रखता है। वे अपना एक दिन वैज्ञानिक के रूप में बिताकर देखें। आप अपनी सुविधा के अनुसार अपनी मर्जी के अनुसार कोई भी दिन चुन सकते हैं। उस दिन किसी रिसर्च लैब, तारामंडल या अंतरिक्ष केंद्र जरूर जाएं। इसे लेकर विज्ञान को लेकर आपकी जिज्ञासा और बढ़ेगी

श्री मोदी ने कहा, "हमारे जो युवा जीवन में कुछ नया करना चाहते हैं, उनके लिए अंतरिक्ष क्षेत्र एक बेहतरीन विकल्प बना है।" कुछ दिन के भीतर राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाए जाने का जिक्र करते हुए श्री मोदी ने कहा कि बच्चों और युवाओं का विज्ञान में लगाव बहुत मायने रखता है। उन्होंने उनसे आह्वान किया कि वे अपना एक दिन वैज्ञानिक के रूप में बिताकर देखें।

श्री मोदी ने कहा, "आप अपनी सुविधा के अनुसार अपनी मर्जी के अनुसार कोई भी दिन चुन सकते हैं। उस दिन किसी रिसर्च लैब, तारामंडल या अंतरिक्ष केंद्र जरूर जाएं। इसे लेकर विज्ञान को लेकर आपकी जिज्ञासा और बढ़ेगी।"

8 मार्च: अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

श्री मोदी ने कहा कि अगले महीने 8 मार्च को 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' है। यह हमारी नारी-शक्ति को नमन करने का एक विशेष अवसर होता है। देवी माहात्म्य में कहा गया है–

विद्याः समस्ताः तव देवि भेदाः
स्त्रीयः समस्ताः सकला जगत्सु।

अर्थात् सभी विद्याएं, देवी के ही विभिन्न स्वरूपों की अभिव्यक्ति हैं और जगत की समस्त नारी-शक्ति में भी उनका ही प्रतिरूप है। हमारी संस्कृति में बेटियों का सम्मान सर्वोपरि रहा है। देश की मातृ-शक्ति ने हमारे स्वतंत्रता संग्राम और संविधान के निर्माण में भी बड़ी

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा दिल्ली प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ 23 फरवरी को नारायणा विहार, दिल्ली में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ 'मन की बात' सुनते हुए

भूमिका निभाई है।

उन्होंने कहा कि इस बार महिला दिवस पर मैं एक ऐसी पहल करने जा रहा हूं, जो हमारी नारी-शक्ति को समर्पित होगी। इस विशेष अवसर पर मैं अपने सोशल मीडिया अकाउंट जैसे एक्स, इंस्टाग्राम के एकाउंट्स को देश की कुछ प्रेरक महिलाओं को एक दिन के लिए सौंपने जा रहा हूं। ऐसी महिलाएं जिन्होंने अलग-अलग क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल की हैं, नवाचार किया है, अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। 8 मार्च को वो अपने कार्य और अनुभवों को देशवासियों के साथ साझा करेंगी।

श्री मोदी ने कहा कि प्लेटफार्म भले ही मेरा होगा, लेकिन वहां उनके अनुभव, उनकी चुनौतियां और उनकी उपलब्धियों की बात होगी। यदि आप चाहती हैं कि ये अवसर आपको मिले, तो, 'नमो ऐप' पर बनाए गए विशेष मंच के माध्यम से इस प्रयोग का हिस्सा बनें और मेरे एक्स और इंस्टाग्राम अकाउंट से पूरी दुनिया तक अपनी बात पहुंचाएं, तो आइए, इस बार महिला दिवस पर हम सब मिलकर अदम्य नारी-शक्ति को सेलिब्रेट करें, सम्मान करें, नमन करें।

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम 'एग्जाम वॉरियर्स' के लिए एक संस्थागत रूप लेता जा रहा है

'मन की बात' के दौरान श्री मोदी ने 'परीक्षा पे चर्चा' के वार्षिक आयोजन का भी उल्लेख किया और इस बात पर खुशी जताई कि यह कार्यक्रम 'एग्जाम वॉरियर्स' के लिए एक संस्थागत रूप लेता जा रहा है। उन्होंने कहा, "यह बोर्ड परीक्षाओं का समय है। मैं अपने युवा-साथियों यानी 'एग्जाम वॉरियर्स' को उनकी परीक्षाओं के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। आप बिना कोई तनाव लिए पूरे सकारात्मक भाव के साथ अपनी परीक्षाएं दीजिए।"

श्री मोदी ने कहा, "हर वर्ष 'परीक्षा पे चर्चा' में हम अपने 'एग्जाम वॉरियर्स' से परीक्षाओं से जुड़े अलग-अलग विषयों पर बात करते हैं। मुझे खुशी है कि अब यह कार्यक्रम एक संस्थागत रूप लेता जा रहा है और इसमें नए-नए विशेषज्ञ भी जुड़ते चले जा रहे हैं।"

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस साल 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम को नए तरीके से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया और विशेषज्ञों के साथ आठ अलग-अलग संस्करण इसमें शामिल किए गए। उन्होंने कहा कि इनमें परीक्षाओं के अलावा स्वास्थ्य देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य के अलावा खान-पान जैसे विषयों को भी शामिल किया गया।

उन्होंने कहा, "एक बार फिर अपने 'एग्जाम वॉरियर्स' को मेरा यही संदेश है—'बी हैप्पी एंड स्ट्रेस फ्री' (खुश और तनावमुक्त रहिए)।" ■

'एक फिट और स्वस्थ्य राष्ट्र बनने के लिए हमें मोटापे की समस्या से निपटना ही होगा': प्रधानमंत्री

बीते वर्षों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुणा बढ़ गई है

'मन की बात' के दौरान श्री मोदी ने कहा कि देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के शुभारंभ के दौरान मैंने एक बहुत ही अहम विषय उठाया है, जिसने देश में एक नई चर्चा की शुरुआत की है— ये विषय है 'Obesity यानी मोटापा'। एक फिट और स्वस्थ्य राष्ट्र बनने के लिए हमें मोटापे की समस्या से निपटना ही होगा। एक स्टडी के मुताबिक आज हर आठ में से एक व्यक्ति मोटापे की समस्या से परेशान है। बीते वर्षों में मोटापे के मामले दोगुने हो गए हैं, लेकिन इससे भी ज्यादा चिंता की बात यह है कि बच्चों में भी मोटापे की समस्या चार गुणा बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि WHO का डाटा बताता है कि 2022 में दुनिया-भर में करीब ढाई सौ करोड़ लोग ज्यादा मोटे (overweight) थे, यानी आवश्यकता से भी कहीं ज्यादा वजन था। ये आंकड़े बेहद गंभीर हैं और हम सभी को सोचने पर मजबूर करते हैं कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

श्री मोदी ने कहा कि अधिक वजन या मोटापा कई तरह की परेशानियों को, बीमारियों को भी जन्म देता है। हम सब मिलकर छोटे-छोटे प्रयासों से इस चुनौती से निपट सकते हैं, जैसे एक तरीका मैंने सुझाया था, 'खाने के तेल में दस पर्सेन्ट (10%) की कमी करना'। आप तय कर लीजिए कि हर महीने 10% कम तेल उपयोग करेंगे। आप तय कर सकते हैं कि जो तेल खाने के लिए खरीदा जाता है, खरीदते समय ही अब 10% कम ही खरीदेंगे। ये मोटापा कम करने की दिशा में एक अहम कदम होगा।

प्रधानमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने छत्रपति शिवाजी महाराज को 19 फरवरी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्री मोदी ने एक्स पर लिखा, "मैं छत्रपति शिवाजी महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उनकी वीरता और दूरदर्शी नेतृत्व ने स्वराज की नींव रखी, पीढ़ियों को साहस और न्याय के मूल्यों को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। वह हमें एक मजबूत, आत्मनिर्भर और समृद्ध भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं।" ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

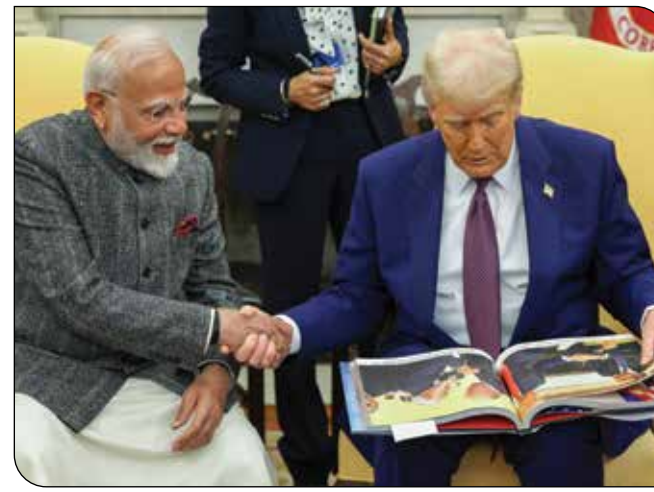

व्हाइट हाउस (वाशिंगटन डीसी, अमेरिका) में 13 फरवरी, 2025 को अमेरिकी राष्ट्रपति श्री डोनाल्ड ट्रम्प से भेंट करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

11 फरवरी, 2025 को 'भारत–फ्रांस सीईओ फोरम' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते फ्रांस के राष्ट्रपति श्री इमैनुएल मैक्रों

पेरिस में 11 फरवरी, 2025 को आयोजित 'एआई एक्शन समिट' के दौरान एक समूहचित्र में वैश्विक नेताओं के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

हैदराबाद हाउस (नई दिल्ली) में 18 फरवरी, 2025 को कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी से भेंट करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 21 फरवरी, 2025 को 98वें अखिल भारतीय मराठी साहित्य सम्मेलन का दीप–प्रज्वलित कर उद्घाटन करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
प्रकाशन तिथि: 05 मार्च, 2025
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2025-27
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

छायाकार: अजय कुमार सिंह